सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 114 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 6 फरवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में मौसम साफ रहने से चढ़ा पारा:रायपुर सहित 7 जिलों में तापमान 32 डिग्री से ज्यादा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम खुलने के बाद लगातार तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में अधिकतम पारा 30 डिग्री से ऊपर पहुंच गया है। वहीं रायपुर सहित 7 जिले ऐसे है, जहां तापमान 32 डिग्री से ज्यादा है। मौसम विभाग के मुताबिक, सरगुजा संभाग में अगले 3 दिन बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट होने की संभावना है। सोमवार को नारायणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री रिकार्ड किया गया। वहीं 33.3 डिग्री के साथ डोंगरगढ़ सबसे गर्म रहा।

प्रदेश में लगातार ठंड का असर कम होने लगा है। सोमवार को रायपुर में 33 डिग्री, दंतेवाड़ा में 32.9, राजनांदगांव में 32.5, कांकेर में 32.3 दुर्ग और बस्तर में 32.2 डिग्री, वहीं बिलासपुर में 32 डिग्री दिन का टैम्परेचर रहा। रायपुर में सोमवार को हल्की गर्मी रही। यहां अधिकतम तापमान 33 डिग्री रहा, जो औसत से 3 डिग्री ज्यादा है। वहीं रात का पारा 17.8 डिग्री रहा जो औसत से 2 डिग्री ज्यादा है। शहर में रात के समय अब ठंड कम होने लगी है।

दुर्ग में न्यूनतम तामनान 14 डिग्री

बिलासपुर में में दिन का पारा औसत से 4 डिग्री ज्यादा रहा। यहां अधिकतम तापमान 32 डिग्री दर्ज किया गया। वही रात का तापमान 16. 2 डिग्री रहा जो औसत से 1 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। दुर्ग में रात के तापमान 14. 8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया । यहां दिन का तापमान औसत से 3 डिग्री ज्यादा और रात का तापमान सामान्य रहा।

सरगुजा में अभी रहेगी ठंड

सरगुजा संभाग के जिलों में अगले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव होने की संभावना नहीं है। उसके बाद अगले तीन दिनों में रात का तापमान में 1 से 3 डिग्री गिरावट होने की संभावना है। सोमवार को सरगुजा में अधिकतम पारा 29.8 डिग्री रहा वहीं बलरामपुर में 13.9 डिग्री दर्ज किया गया।

रायपुर-नया रायपुर-भिलाई व दुर्ग को मिलाकर बनेगा स्टेट कैपिटल रीजन, बजट में हो सकता है प्रावधान

मील का पत्थर साबित होगा एससीआर

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार का पहला बजट 9 फरवरी को सदन में पेश किया जाएगा। वित्तमंत्री ओपी चौधरी सदन में बजट प्रस्तुत करेंगे। बजट में राज्य सरकार की जीडीपी दोगुना करने लक्ष्य संभव है। वैसे तो बतौर वित्तमंत्री श्री चौधरी के बजट को राज्य के भविष्य के लिए क्रांतिकारी माना जा रहा है, लेकिन खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर स्टेट केपिटल रीजन (एससीआर) की घोषणा छत्तीसगढ़ के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है। इस योजना के तहत रायपुर, नया रायपुर, भिलाई व दुर्ग को मिलाकर इन सभी क्षेत्रों का समन्वित विकास हो पाएगा। फिलहाल आबादी, व्यापार, नौकरी या व्यवसाय का पूरा भार रायपुर पर है। इस भार के बँट जाने से रायपुर के अलावा अन्य शहरों के विकास को रफ्तार मिलेगी। व्यापार-रोजगार बढ़ेगा और आजीविका के साधनों में भी वृद्धि होगी। इससे क्षेत्रीय संतुलन भी बनेगा।

भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव से पहले अपने संकल्प पत्र या पीएम मोदी की गारंटी के रूप में छत्तीसगढ़ का एक व्यापक खाका खींचा था। प्रदेश में सरकार बनने के बाद अब भाजपा मोदी की इन गारंटियों को पूरा करने में जुटी है। इसी में एनसीआर की तर्ज पर स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) भी शामिल था, जिसे इस बजट में जगह दिए जाने की चर्चा है। बजट 9 फरवरी को पेश होना है, इसलिए फिलहाल एससीआर से संबंधित विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन किसी भी स्टेट कैपिटल रीजन में जो काम होते हैं, वह यहां भी होने तय है। इस रीजन में रायपुर और नया रायपुर के अलावा भिलाई व दुर्ग जैसे शहरों को भी शामिल किया गया है। राजधानी बनने के बाद रायपुर का अभूतपूर्व विकास हुआ। लेकिन बढ़ती आबादी और क्षेत्रीय हालातों को देखते हुए नया रायपुर को विकसित किया गया। लेकिन कहीं न कहीं विकास की दौड़ में भिलाई और दुर्ग जैसे शहर पिछड़ते चले गए। एससीआर लागू होने से भिलाई और दुर्ग जैसे शहरों का भाग्य भी बदलने की संभावना बढ़ गई है। रायपुर व नया रायपुर में रियल स्टेट का कारोबार चरम पर है, लेकिन दुर्ग-भिलाई जैसे शहरों में इस कारोबार की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। एससीआर से रियल स्टेट के कारोबार को इन क्षेत्रों में भी बूम मिलने की पूरी संभावना है। इससे जमीन की कीमतों में वृद्धि होना भी तय है। व्यापार-व्यवसाय और नौकरियों के अवसर को खैर बढ़ेंगे ही।

चारों शहरों को मिलाकर बन रहे एससीआर से इन सभी रीजन को लेकर एक समन्वित योजना तैयार होगी। संभावना है कि विकास की इस बड़े पहल में रायपुर विकास प्राधिकरण और तीनों नगर निगमों के बजट में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी होगी, जिससे स्थानीय नगर निगम अपने-अपने क्षेत्रों के विकास को और तेजी से आगे बढ़ा पाएंगे। संभव है कि इसमें शहरों के व्यवस्थित विकास को भी बल दिया जाए। साथ ही व्यवस्था में भी कसावट आए। सोमवार को वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने 13,487 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। बजट में कृषि उन्नत योजना के लिए 12 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। श्री रामलला दर्शन योजना के लिए 15 करोड़, प्रदेश में टाइगर प्रोजेक्ट के लिए 3 करोड़, खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत 350 करोड़, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के लिए 70 करोड़, यूनिटी माल के लिए 19 करोड़ का प्रावधान है।

ये भी शामिल होंगे बजट में

रानी दुर्गावती योजना के तहत बीपीएल वर्ग को बच्ची के जन्म पर डेढ़ लाख का प्रमाण पत्र, गरीब महिलाओं को 500 रुपये में सिलिंडर, 18 लाख के लिए आवास और हर घर जल पहुंचाना, मुख्यमंत्री राहत कोष से 10 लाख का इलाज, 500 प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, युवाओं के लिए इनोवेशन हब जिसके तहत छह लाख से ज्यादा रोजगार सृजित होंगे। यूपीएससी की तर्ज पर प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करवाने, उद्योग लगाने वाले युवाओं को 50 फीसदी सब्सिडी के साथ ब्याज मुक्त भुगतान, हर संभाग में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस, हर लोकसभा में छग इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, छत्तीसगढ़ के पांच शक्तिपीठों का विकास जैसी मोदी की गारंटियों को इस बजट में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर वाली केन्द्रीय व राज्य सरकार की योजनाओं पर भी फोकस रहेगा। प्रदेश के किसानों के अंतर की राशि देने की तैयारी भाजपा सरकार ने कर ली है। किसानों से भाजपा ने धान 3100 रुपये में खरीदने का वादा किया था। लेकिन, 2203 रुपये के समर्थन मूल्य पर की गई है। अब अंतर की राशि देने के लिए अनुपूरक बजट में प्रावधान किया गया है।

मोदी की गारंटी को प्राथमिकता

बजट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी बड़ी प्राथमिकता के रूप में सामने आने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने एक वर्ष में छह हजार आइटी प्रोफेशनल्स तैयार करने का लक्ष्य रखा है। अगले पांच साल में नवा रायपुर को आइटी, बिजनेस कांफ्रेंस और वेडिंग सेंटर के हब के रूप में तैयार करने का लक्ष्य है। बजट में इसके लिए प्रावधान होने की उम्मीद है। वहीं, बजट में पुलिस बल के आधुनिकीकरण, सुदृढ़ पुलिस थानों के निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के काम बढ़ाने के लिए भी प्रावधान संभव है। ग्रामीण इलाकों में लाइवलीहुड कालेज का विस्तार, माइक्रो एटीएम की पंचायत स्तर पर व्यवस्था करने पर बजट जारी किया जा सकता है। प्रदेश में नए इंडोर और आउटडोर स्टेडियम के निर्माण, छत्तीसगढ़ के स्थानीय और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं देने की स्कीमों को लांच किया जा सकता है।

महतारी वंदन योजना की फेक वेबसाइट का हो रहा प्रसार, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

■ ऑनलाईन आवेदन केवल विभाग के वेबसाइट व मोबाइल ऐप से करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना लागू कर दी गई है। इसके लिए सोमवार से आवेदन लेने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इस बीच लोगों को धोखा देने के लिए फर्जी वेबसाइट का भी प्रसार हो रहा है। इंटरनेट पर महतारी वंदन योजना के नाम से किसी भी फर्जी वेबसाइट में लॉगिन करने से बचने के लिए प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है।

महिला बाल विका विभाग ने महतारी वंदन योजना में आवेदन के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल हो रहे फर्जी लिंक से महिलाओं को सावधान रहने की अपील की है। विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए विभाग द्वारा www.mahtarivandan.cgstate.gov.in और मोबाइल ऐप जारी किया गया है, इस लिंक और एप्प पर महिलाएं ऑनलाइन आवेदन कर सकती है।

आवेदन के लिए किसी भी तरीके का शुल्क नही देना है। इसके अलावा महिलाएं अपने इलाके के आगंनबाडी केन्द्र, ग्राम पंचायत सचिव, बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) और वार्ड प्रभारी से संपर्क कर उनके लॉगिन यूजर आईडी से आवेदन कर सकती है। जो कि सुरक्षित माध्यम है।

महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पात्र आवेदकों को फॉर्म भरने के लिए कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा फर्जी लिंक सोशल मीडिया में वायरल किया गया है।

महिलाओं के मोबाइल, व्हाट्सअप या किसी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से www.mahtarivandanyojana.info/beneficiary-apply नाम से लिंक आएं तो इस लिंक का उपयोग नही करें। विभाग द्वारा आवेदन के लिए किसी भी निजी संस्था अथवा व्यक्ति को अधिकृत नही किया गया है।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, आसपास के कई घर जलकर हुए राख, कईयों की मौत

■ मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुलाई आपात बैठक, अफसरों को निर्देश

हरदा। मध्य प्रदेश के हरदा में मगरदा रोड स्थित बैरागढ़ रेहटा नामक जगह पर स्थित पटाखा फैक्ट्री में मंगलवार सुबह आग लग गई। इसके बाद भयानक विस्फोट होने लगे। ब्लास्ट इतने तेज थे कि आसपास की इमारतों को भी उन्होंने हिला दिया। कुछ इमारतों के गिरने की सूचना है। आग ने आसपास के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इससे कई लोगों के मारे जाने की सूचना है। पुष्टि अब तक नहीं हुई है। 100 के लगभग घायल बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरदा ब्लास्ट को लेकर आपात बैठक बुलाई। साथ ही मंत्री उदय प्रताप सिंह के साथ वरिष्ठ अधिकारियों को हरदा रवाना होने के निर्देश दिए हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया है। फायर ब्रिगेड भी आग बुझाने के लिए पहुंच गई। ब्लास्ट होने का सिलसिला थम नहीं रहा, जिससे राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हो रहे हैं। एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आग लगने के समय 30 से अधिक मजदूर फैक्ट्री में काम कर रहे थे। घायलों और मृतकों में बच्चों और महिलाओं के होने की भी आशंका व्यक्त की जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार यह पटाखा फैक्ट्री राजू अग्रवाल की है। ब्लास्ट इतने भीषण थे कि आसपास के मकान गिर गए।

ब्लास्ट इतने भीषण थे कि पास में ही स्थित एक गोशाला को भी नुकसान पहुंचा है। वहां के एक कर्मचारी ने बताया कि खिड़कियों के कांच टूट गए। इससे मुनीम को चोटें आई हैं। इलाज किया जा रहा है। पटाखा फैक्ट्री में आग के बाद तेज धमाके हुए। करीब 10 से 15 बड़े धमाके हुए। इससे कई किलोमीटर दूर तक भूकंप जैसे झटके महसूस किए गए। फायर ब्रिगेड की टीमों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन ब्लास्ट की वजह से आग फैल गई। इससे उन्हें भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हरदा की घटना का संज्ञान लेते हुए मंत्री उदय प्रताप सिंह, एसीएस अजीत केसरी, डीजी होम गार्ड अरविंद कुमार को हेलीकॉप्टर से हरदा जाने के निर्देश दिए हैं। भोपाल और इंदौर के मेडिकल कॉलेजों के साथ-साथ एम्स भोपाल में बर्न यूनिट को आवश्यक तैयारी करने को कहा है। साथ ही इंदौर और भोपाल से फायर ब्रिगेड की दमकलों को भेजा गया जो आग पर काबू पाने का प्रयास करती रही।

2045 में दोगुनी हो जाएंगी भारत की ऊर्जा जरूरतें: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

■ गोवा में इंडिया एनर्जी वीक 2024 के उद्घाटन के मौके पर बोले पीएम मोदी

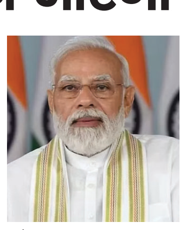

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा में इंडिया एनर्जी वीक 2024 का उद्घाटन कर दिया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, 'दुनियाभर के विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऊर्जा क्षेत्र देश के विकास में बेहद अहम है। भारत पहले से ही तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है। साथ ही तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता, तीसरा सबसे बड़ा एलपीजी उपभोक्ता देश है। हम दुनिया में चौथा सबसे बड़ा एलपीजी आयात करते हैं। चौथा सबसे बड़ा रिफाइनरी मार्केट हमारा है और ऑटोमोबाइल सेक्टर भी हमारा ही चौथा सबसे बड़ा है। आज देश में दोपहिया वाहनों और कारों की रिकॉर्ड बिक्री हो रही है। ईवी की मांग भी बढ़ रही है। ऐसा अनुमान है कि भारत में 2045 तक ऊर्जा की मांग दोगुनी हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा 'इंडिया एनर्जी वीक का आयोजन बेहद अहम समय में हो रहा है। इस वित्तीय वर्ष के बीते छह महीने में भारत की जीडीपी दर 7.5 फीसदी की दर से बढ़ रही है। यह दर वैश्विक अनुमान से भी ज्यादा है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है और हाल ही में आईएमएफने अनुमान जताया है कि हम इसी रफ्तार से आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा 'बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के बीच भारत में सभी को सस्ती ऊर्जा मुहैया करायी जा रही है। भारत ऐसा देश है, जहां कई वैश्विक घटनाओं के बावजूद बीते दो सालों से पेट्रोल और डीजल के दाम कम हुए हैं। इसके अलावा भारत ने 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी कवरेज को भी हासिल किया है। करोड़ों घरों को बिजली पहुंचाई जा रही है और इन कोशिशों की वजह से भारत ऊर्जा क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। भारत 21वीं सदी के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहा है। इस वित्तीय वर्ष में हम इंफ्रास्ट्रक्चर में ही 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।'

अंग्रेज भी थे मोदी गारंटी के कायल

श्रीकंचनपथ

पटियाला रियासत से निर्वासित मोदी के अंग्रेज भी कायल थे। यह उन दिनों की बात है जब भारत स्वतंत्र नहीं हुआ था। पटियाला का मोदी परिवार सरकार को सामग्री की आपूर्ति करने के ठेके लेता था। विश्वयुद्ध के दौर में मोदी घराना अंग्रेजों की फौज को रसद की आपूर्ति करने लगा। सेना के लिए भोजन ढोना सबसे बड़ी समस्या थी। सूखे भोज्य पदार्थों का वजन कम होता था। इसकी अच्छी खासी मांग थी पर इसकी सप्लाई विदेशों से होती थी। युद्ध के कारण इसकी सप्लाई प्रभावित हो रही थी। जब अंग्रेजों ने भारतीय उद्योगपतियों से मदद मांगी तो मोदी घराना सामने आया। इसी मोदी घराने का एक लाड़ला था गूजरमल। हालांकि उसकी पढ़ाई लिखाई ज्यादा नहीं हो पाई थी पर वह अवसरों को पहचानने और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जाना जाता था। एक बार किसी वस्तु की नीलामी के दौरान उसकी एक अंग्रेज अफसर से ठन गई। अंग्रेज उसे मारने दौड़ा तो कुश्ती के शौकीन गूजरमल ने उसे उठाकर पटक दिया और खूब पिटाई की। पटियाला रियासत के राजा साहब पहले तो नाराज हुए पर वाकपटु गूजरमल ने जल्द ही उन्हें अपनी तरफकर लिया। अंग्रेज मन मसोसकर रह गया। इसके बाद एक बार ऐसी परिस्थितियां बनीं कि राजा ने गूजरमल को रियासत से निर्वासित कर दिया। यहीं से शुरू होता है मोदी का सफर। गूजरमल मोदी के पास पैसे नहीं थे पर उसकी गारंटी चलती थी। गूजरमल ने जिस भी क्षेत्र में निवेश की पहल की, निवेशक उन पर पैसे बरसाते रहे। उसने पहले चीनी मिल और फिर वनस्पति घी, कपड़ा और दीगर वस्तुओं की फैक्ट्रियों की स्थापना की। जिस तरह जमशेदजी टाटा ने जमशेदपुर बसाया उसी तरह गूजरमल मोदी ने मोदी नगर की स्थापना की। यहां कर्मचारियों के साथ ही आसपास के गांव वालों के लिए मुफ्त स्कूल, कालेज और अस्पताल की स्थापना की। अंग्रेज गूजरमल मोदी के इतने कायल थे कि वह जो भी योजना बनाता, अंग्रेज उसे तत्काल स्वीकृति दे देते। एक निर्वासित उद्योगपति ने केवल अपनी गारंटी के दम पर अनेक उद्योगों की स्थापना की, कर्मचारी हितैशी योजनाओं का संचालन किया और देश के चोटी के औद्योगिक घरानों में अपना नाम शामिल करवा लिया। आजादी के बाद के दौर में उद्योगपति चोर समझे जाने लगे। उत्पादन की लिमिट तय कर दी गई। लाइसेंस राज शुरू हुआ और मोदी की तकलीफें बढ़ती रहीं। आज जब चारों तरफ मोदी की गारंटी के चर्चे हैं तो बरबस ही गूजरमल की याद आती है। एक लंबा-तड़ंगा, हृष्ट-पुष्ट नौजवान जो न केवल साहसी था बल्कि जिसकी नजरों में काम करने वाले हाथों के लिए ज्यादा इज्जत थी। जो राजा से ज्यादा रंक की परवाह करता था। एक ऐसा स्वप्नदृष्टा जिसने निर्वासित होने के बाद भी अपने बचपन के सपने को पूरा किया। यह सपना था सर्वसुविधायुक्त मोदी नगर की स्थापना का। सत्यनिष्ठा और किसी भी कीमत पर परिणाम हासिल करने की जिजीविषा ही मोदी की गारंटी थी।

संपादकीय

चंपई सरकार

झारखंड में चंपई सोरेन के नेतृत्व वाली झामुमो-कांग्रेस सरकार ने सदन में बहुमत सिद्ध करके विगत दिनों से चल रही अनिश्चितता को दूर कर दिया है। विधानसभा में हुए शक्ति परीक्षण में जीतना वर्तमान मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ही नहीं, बल्कि हेमंत सोरेन के लिए भी किसी कामयाबी से कम नहीं है। आशंका थी कि विधायक टूट सकते हैं, किंतु विधायकों को हैदराबाद भेजकर और सही समय पर उनकी सदन में वापसी कराते हुए झामुमो ने भी अपनी सूझ-बूझकर परिचय दिया है। कुल 81 सदस्यीय विधानसभा में 47 विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि 29 विधायकों ने विरोध। यह भी एक तरह से इतिहास ही है कि एक पूर्व मुख्यमंत्री ने ईडी की हिरासत में रहते हुए विशेष न्यायालय से मंजूरी मिलने के बाद सदन की कार्यवाही और विश्वास मत में हिस्सा लिया। सोरेन के सदन में आने से झामुमो नेताओं को भी बल मिला और चंपई सोरेन यहां तक बोल गए कि हेमंत हैं, तो हिम्मत है। उन्होंने पुरजोर आरोप लगाया कि एजेंसी का दुरुपयोग हो रहा है। अब एजेंसी के लिए भी चुनौतियां बहुत बढ़ गई हैं। 67 वर्षीय मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की सामने पहली चुनौती यही होगी कि वह झामुमो और झामुमो के दिग्गज नेता पर लग रहे आरोपों का माकूल जवाब दें। तमाम झामुमो नेता खुलकर विपक्षी पार्टी पर आरोप लगा रहे हैं और ऐसा करने की राजनीति को समझा जा सकता है, पर झामुमो के प्रयास केवल राजनीति तक सिमटकर न रह जाएं। हालांकि, जब चुनाव सामने हैं, तब सियासत को तल्ख होने से नहीं रोका जा सकता और यह तल्खी विवाद के जल्दी समाधान को रोकेगी। ऐसे विवाद महज आरोप या धमकी से नहीं निपटाए जाते हैं। अगर एजेंसियों ने गड़बड़ी की है, तो इसे सिद्ध करने के लिए चंपई सरकार क्या अपनी ओर से प्रयास कर सकती है? तथ्य और तर्क से एजेंसी को सही दिशा में निर्देशित किया जा सकता है। ध्यान रहे, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यहां तक आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार आदिवासियों और दलितों के प्रति नफरत रखती है। किसी बड़े नेता द्वारा अपने खिलाफकार्रवाई को अपने पूरे समुदाय का उत्पीड़न बताना नया नहीं है, पर इसका असर लोगों पर अवश्य होता है। आम लोगों के पास सही सुबूत बाद में पहुंचते हैं, पर किसी नेता के बारे में कोई धारणा लोगों तक जल्दी पहुंच जाती है। संकेत यही है कि झारखंड के साथ-साथ बिहार में भी जो हालिया बदलाव हुआ है, उसमें भी कुछ नेता सहानुभूति का लाभ लेने की कोशिश करेंगे। वैसे सियासी लाभ के लिए सार्वजनिक विषय को व्यक्तिगत और व्यक्तिगत विषय को सार्वजनिक बना देने का पुराना चलन है। सियासत से हटकर बात करें, तो झारखंड के नए मुख्यमंत्री के हाथों में अनेक काम हैं। यह आदिवासी प्रदेश एक अन्य आदिवासी प्रदेश छत्तीसगढ़ के साथ बना था, पर छत्तीसगढ़ में राजनीतिक स्थिरता मिसाल है। वहां मुख्यमंत्रियों के दामन पर दाग भी कम हैं। दूसरी ओर, झारखंड में ऐसे भी मुख्यमंत्री हुए हैं, जिनके दाग लोग याद करते हैं। आश्चर्य नहीं, झारखंड में दस से ज्यादा बार सत्ता परिवर्तन हुआ है और चंपई सोरेन सातवें मुख्यमंत्री हैं, जबकि छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय महज चौथे मुख्यमंत्री हैं। तेज विकास के लिए शासन में स्थिरता जरूरी है और आरोपों की भी पूरी परवाह राज्य सरकार को करनी चाहिए। झारखंड के लोग यही चाहेंगे कि चंपई सोरेन पूरी सक्रियता और पारदर्शिता के साथ प्रदेश को आगे ले जाएं।

> “क केंद्र सरकार आदिवासियों और दलितों के प्रति नफरत रखती है। किसी बड़े नेता द्वारा अपने खिलाफकार्रवाई को अपने पूरे समुदाय का उत्पीड़न बताना नया नहीं है, पर इसका असर लोगों पर अवश्य होता है। आम लोगों के पास सही सुबूत बाद में पहुंचते हैं, पर किसी नेता के बारे में कोई धारणा लोगों तक जल्दी पहुंच जाती है।

अपनी कहानी दोहरानी है!

नरेंद्र मोदी सरकार को इस बात का पूरा यकीन है कि वो जो कहानी सुनाएगी, उनके समर्थक मतदाता बस उतना ही सुनेंगे। उसका यह यकीन निराधार भी नहीं है। चूंकि मेनस्ट्रीम मीडिया के अधिकांश हिस्से ने अपने स्वत: रुझान या बनाई गई परिस्थितियों के कारण खुद को सत्ताधारी दल के प्रचार तंत्र में तब्दील कर दिया है, इसलिए किसी वैकल्पिक कथानक का आम जन तक पहुंचना सचमुच बहुत कठिन हो गया है। ऐसे में लोग सरकारी दावों पर सहज यकीन करें, तो उसमें कोई हैरत की बात नहीं है। मसलन, इन दावों पर कि देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला गया है और भारत में चारों तरफ खुशहाली का आलम है। इस शोर के बीच ये बुनियादी सवाल दब-से गए हैं कि अगर ऐसा है, तो साल 2019 में सरकार ने उपभोग व्यय संबंधी सर्वेक्षण रिपोर्ट को क्यों जारी करने से इनकार कर दिया था? सरकार की जनगणना कराने में क्यों रुचि नहीं है? दशकीय जनगणना 2021 में ही तय थी। तब कोरोना महामारी के कारण उसे टाला गया, हालांकि उस दौर में भी चुनाव जैसे सघन जन-संपर्क के कार्य आयोजित हुए। तब के बाद आम जिंदगी सामान्य हो चुकी है, लेकिन जनगणना कहीं सरकार के एजेंडे में नहीं है। अगर जनगणना होती, तो उससे आधिकारिक आंकड़े प्राप्त होते और यह मालूम होता कि जमीनी स्तर पर आम जन की कैसी हालत है। मगर वर्तमान सरकार का नजरिया प्रतिकूल आंकड़ों को सामने ना आ देने का रहा है। तस्वीर बेहतर दिखाने के लिए पैमानों की परिभाषा बदल देना उसकी दूसरी बड़ी तरकीब रही है। मसलन, 2015 में वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर को मापने का आधार बदल दिया गया। इससे वास्तविक वृद्धि दर बेहतर नजर आने लगी। इसके अलावा रोजगार की सूरत बेहतर दिखाने के लिए आवधिक श्रम शक्ति सर्वे में स्वरोजगार की एक नई श्रेणी जोड़ दी गई, जिससे पारिवारिक कारोबार में सहयोग करने वाले अवैतनिक कर्मियों को भी रोजगार-शुदा माना जाने लगा। लेकिन परिभाषाएं बदलने से असली हाल नहीं बदल गए हैं। मगर सरकार को उसकी चिंता भी नहीं है। उसकी जुगत सिर्फ यह है कि आर्थिक सुर्खियां खुशहाल तस्वीर पेश करती रहें।

झारखंड से शुरू हुई नई परंपरा

बाल ठाकरे के नेतृत्व वाले शिव सेना के शुरुआती दिनों को अपवाद मान लें तो झारखंड मुक्ति मोर्चा पहली प्रादेशिक पार्टी बनी है, जिसने परिवार से बाहर के किसी व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया है। आज तक किसी प्रादेशिक पार्टी ने किसी भी स्थिति में परिवार से बाहर के किसी नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाया है। झारखंड में ईडी के दबाव में हेमंत सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा तो उन्होंने मजबूरी में ही सही लेकिन पार्टी के सबसे पुराने नेताओं में से एक चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया। ऐसा नहीं है कि उनके परिवार में मुख्यमंत्री बनने योग्य लोग नहीं हैं। उनकी भाभी सीता सोरेन तीन बार से विधायक हैं और छोटे भाई बसंत सोरेन भी विधायक हैं। लेकिन हेमंत ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को सीएम बनाने का प्रयास किया, जो विधायक नहीं हैं। उनके लिए एक सीट भी खाली कराई गई थी लेकिन पार्टी और परिवार में विरोध को देखते हुए और राज्यपाल द्वारा शपथ दिलाने से मना करने की संभावना को भांप कर हेमंत ने चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनवाया है। इससे पहले झारखंड जैसी स्थिति बिहार में पैदा हुई थी। चारा घोटाले से जुड़े मुकदमे में 1997 में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के जेल जाने की नौबत आई तो उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनवाया। वे पढ़ी लिखी नहीं थीं और विधायक भी नहीं थीं। लेकिन लालू की पार्टी को पूर्ण बहुमत था और वे एकछत्र नेता था। इसके अलावा जितनी भी प्रादेशिक और परिवारवादी पार्टियां हैं उनमें कभी भी किसी बाहरी नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। बाल ठाकरे ने जरूर पहले मनोहर जोशी और नारायण राणे को सीएम बनवाया था और रिमोट कंट्रोल से उनको चलाने की बात भी कहते थे लेकिन बाद में उनके बेटे उद्धव ठाकरे ने खुद ही मुख्यमंत्री बनना सही समझा।

> “ अरब में चौदह सौ वर्षों पूर्व इस्लाम के आगमन के कुछ ही वर्षों के अंदर उसका साक्षात्कार भारत से हुआ। आठवीं शताब्दी में सिंध के राजा दाहर पर मोहम्मद बिन कासिम की सामरिक सफलता के साथ ही हमारा साबका इस्लाम से पड़ा और तेरह सौ वर्षों के संग साथ में हिंदुओं और मुसलमानों ने कई अर्थों में एक अद्भुत समाज बनाया।

विवादों की मिलकर करें विदाई

विभूति नारायण राय, पूर्व आइपीएस अधिकारी

अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की मूर्ति की औपचारिक प्राण-प्रतिष्ठा के साथ हमारे इतिहास के एक विवादास्पद अध्याय का पटाक्षेप हो गया। इस पूरे विवाद के चलते भारतीय समाज जितने लंबे समय तक और जितनी बुरी तरह से विभक्त हुआ, वह अपने आप में किसी विस्तृत समाजशास्त्रीय अध्ययन का विषय हो सकता है। कब मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई, इसका कोई प्रामाणिक साक्ष्य नहीं है, पर इस समय के बारे में जितने तरह के अनुमान लगाए गए हैं, उनका एक ही उदाहरण काफी है। सांविधानिक पद पर बैठे एक वरिष्ठ राजनेता ने कहा कि मंदिर निर्माण पांच सौ वर्षों के दर्द से छुटकारे की तरह है। वह इस पांच सौ वर्ष की संख्या पर कैसे पहुंचे, यह बताना मुश्किल है, पर सन् 1850 से तो मस्जिद/ मंदिर के स्वामित्व के प्रश्न पर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच लड़ाई-झगड़ों के लिखित और वाचिक साक्ष्य कहीं न कहीं मौजूद हैं ही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर सही कहा कि इस क्षण को जय या पराजय के तौर पर न देखा जाए, पर क्या सचमुच ऐसा हो पाया? पूरे देश में 22 जनवरी को लेकर प्रतिक्रियाएं हार-जीत से भी जुड़ी दिखीं। राम पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक करोड़ों लोगों के आराध्य हैं और उनकी प्राण-प्रतिष्ठा से जुड़े स्वाभाविक उल्लास में आस्था और श्रद्धा का भाव होना चाहिए था, पर ऐसा कैसे हुआ कि पूरी उत्सवधर्मिता में आक्रामक विजयी स्वर ही प्रभावशाली था? इसके बरक्स बार-बार यह दोहराने के बावजूद कि किसी विवादित जमीन पर कोई मस्जिद नहीं बन सकती, कई बड़बोले मुस्लिम उलेमा और सियासी नेताओं का दर्द इस दावे के साथ छलक ही जाता है कि आज कमजोर होने के कारण उनका धर्मस्थल टूटा है, पर कल को अगर वे ताकतवर हुए, तो फिर से धर्मस्थल टूट सकता है।

अरब में चौदह सौ वर्षों पूर्व इस्लाम के आगमन के कुछ ही वर्षों के अंदर उसका साक्षात्कार भारत से हुआ। आठवीं शताब्दी में सिंध के राजा दाहर पर मोहम्मद बिन कासिम की सामरिक सफलता के साथ ही हमारा साबका इस्लाम से पड़ा और तेरह सौ वर्षों के संग साथ में हिंदुओं और मुसलमानों ने कई अर्थों में एक अद्भुत समाज बनाया। रचनात्मकता के हर क्षेत्र-साहित्य, संगीत, चित्रकारी, मूर्ति कला, स्थापत्य, यहां तक कि पाकशास्त्र में भी दोनों ने मिलकर अद्भुत उपलब्धियां हासिल कीं, मगर यह कहना भी सरलीकरण ही होगा कि दोनों मिल-जुलकर सिर्फ निर्माण करते रहे, सही बात यह है कि दोनों आपस में लड़ते भी रहे। दुनिया भर में ऐसा पड़ोस शायद ही मिलेगा, जिसमें सदियों साथ-साथ रहने वालों के मध्य रोटी-बेटी के संबंध न हों। इस लेन-देन में हिंदुओं और मुसलमानों के साथ एक तीसरे कोण के रूप में अंग्रेज जुड़े और यह स्वाभाविक ही था कि उनका हित देश के इन दोनों बड़े समुदायों के मध्य संघर्ष के बिंदुओं को उभारने में था। दोनों को आपस में लड़ाकर ही वे अपने शासन की अवधि बढ़ा सकते थे और वे यही करते भी रहे।

इसमें कोई शक नहीं कि हिंदुओं और मुसलमानों के बीच के अंतर्विरोधों ने दो कौमी नजरिये को जन्म दिया था और इसी के फलस्वरूप 1947 में देश का धार्मिक आधार पर बंटवारा हुआ, पर यह भी सच है कि आजादी की लड़ाई की अग्रणी पंक्ति में शरीक महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉक्टर बी आर आंबेडकर या मौलाना आजाद जैसे नेताओं की समझ बड़ी स्पष्ट थी कि बीसवीं शताब्दी में धर्म पर आधारित राष्ट्र राज्य नहीं बन सकता। एक धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाने का उनका फैसला कितना सही था, यह इससे साबित हो गया कि इस्लाम के नाम पर बना पाकिस्तान 25 साल भी नहीं चल सका।

किसी धर्मनिरपेक्ष समाज की बुनियादी शर्त ही यह होती है कि राज्य अपने सभी नागरिकों के साथ समानता का व्यवहार करे। नागरिकों के बीच मौजूद विवादों का फैसला कानून द्वारा स्थापित व्यवस्था के जरिये होना चाहिए। अच्छी बात थी कि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद का अंतिम फैसला अदालत द्वारा हुआ। स्वाभाविक था कि इस फैसले में एक पक्ष की जीत हुई, दूसरे की हार और यह एक तथ्य है कि अधिकांश मुसलमानों ने इस फैसले को स्वीकार भी कर लिया था। ज्यादातर ने तो राहत की सांस ली थी कि अब पिछले कई दशकों से चल रहा तनाव कुछ ढीला पड़ जाएगा। बहुसंख्यक समुदाय से भी यह अपेक्षा की गई थी कि वे गरिमापूर्ण तरीके से इसे स्वीकार करेंगे। प्रधानमंत्री ने भी अपने भाषण यही अपील की थी कि मंदिर निर्माण को हार-जीत से न जोड़ा जाए, पर दुर्भाग्य से ऐसा पूरी तरह से नहीं हुआ। जिस तरह के जुलूस देश के विभिन्न नगरों, गांवों में निकले, उनमें भक्ति से अधिक विजयी भाव दिखा। हमारी ज्यादातर बसावटें मिश्रित हैं और इनमें रहने वालों में कुछ को विजयी जुलूस निकालते और कुछ की खिड़कियों के पीछे खड़े पस्त भाव से उन्हें निहारने की छवि किसी संवेदनशील राष्ट्रभक्त को झकझोरेगी ही।

इतिहास का एक दुखद अध्याय जरूर खत्म हुआ, पर हमारा इतिहास तो यहीं खत्म नहीं होता। वर्ष बीस सौ सैंतालीस तक एक विकसित राष्ट्र बनने के अपने घोषित लक्ष्य को हासिल करने के लिए जरूरी है कि हम सांप्रदायिकता की संकुचित सोच से बाहर निकलकर एक प्रगतिशील और वैज्ञानिक समाज बनाने की दिशा में काम करें। बाबरी मस्जिद के अलावा भी बहुत से मतभेद के बिंदु हैं और उनमें से कई में हिंसा भड़काने का सामर्थ्य है। हमें मिल-बैठकर फैसला करना होगा कि क्या हम उन पर लड़ते रहेंगे या बीच का रास्ता तलाशते हुए देश को एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में काम करेंगे? हमारे पास संसद में पारित एक कानून भी मौजूद है, जिसमें राम जन्मभूमि के अलावा आजादी के समय के किसी भी धर्मस्थल के साथ छेड़छाड़ न करने की व्यवस्था है। एक बार धार्मिक स्थलों पर आश्वस्त मुस्लिम समाज के प्रगतिशील तबकों को महिला हितैषी समान नागरिक संहिता के लिए भी लामबंद किया जा सकता है। उत्तराखंड में यूसीसी का जो ड्राफ्ट पेश किया गया है, कट्टरपंथी उसका डटकर विरोध करेंगे, क्योंकि उसमें विवाह, तलाक या उत्तराधिकार के मसलों पर ि्त्रयों को पुरुषों के बराबर अधिकार दिए गए हैं। मुस्लिम स्त्रियां या उदार उलेमा इसका समर्थन कर सकते हैं, बशर्ते कि बहुसंख्यक हिंदू समाज इसे एक बार फिर हार-जीत का प्रश्न न बनाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सऊदी अरब में भी महिलाओं के हक में बहने लगी हवा

निष्ठा गौतम, वरिष्ठ पत्रकार

किसी खिली चांदनी रात में एक ऐसे स्विमिंग पूल की कल्पना कीजिए, जिसके पानी का तापमान नहाने के बिल्कुल अनुकूल हो और बगल की रेतीली जमीन पर प्रागैतिहासिक कालीन पहाड़ियों की छाया पड़ रही हो, जिससे वह पूल एक आरामदायक कोकून जैसा बन जाता हो। इस पूल से दो युवक तैरकर बाहर निकलते हैं और पानी में डूबे बिस्तरों पर लेट जाते हैं, तभी काली-गुलाबी बिकनी में एक औरत पानी में छलांग लगाती है। वे एक-दूसरे का अभिवादन भी करते हैं। यह कोई असाधारण घटना नहीं है, लेकिन यह मंजर बहुत साधारण भी नहीं। बमुश्किल पांच साल पहले तक सऊदी अरब में किसी महिला को अपनी जुल्फें बाहर निकालने की हिम्मत नहीं होती थी, सार्वजनिक रूप से बिकनी पहनना तो बहुत दूर की बात है। भले ही, अल-उला शहर के इस स्विमिंग पूल के आसपास अबाया पहने कई महिलाएं दिख जाती हैं, लेकिन अब हवा का रुख बदल रहा है।

अल-उला सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के 'विजन 2030' के केंद्र में है। सऊदी सरकार का 'टॉप-डाउन' नजरिया (ऊपर से रिसकर विकास-कार्यों का नीचे तक आना) बेशक विवादास्पद हो सकता है, लेकिन यह दृष्टिकोण स्पष्ट और सराहनीय बदलाव ला रहा है। यह परिवर्तन सिर्फ पांच सितारा रिसॉर्ट्स तक सीमित नहीं है। कई लोग जेद्दा के पुराने दिनों को याद कर सकते हैं, जब महिलाएं दिखती तक नहीं थीं। मगर अब अप्रवसान डेस्क से लेकर बिक्री काउंटर तक हर जगह औरतें नजर आती हैं। उन्हें महरम पुरुषों (जिन मर्दों से औरतों को शादी करने की अनुमति नहीं होती) द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाता है और न मुतावा (मजहबी पुलिस) अब दिखती है। साफहै, सऊदी अरब उन्मुक्तता को बढ़ावा दे रहा है और अल-उला को इसकी सामाजिक प्रयोगशाला कह सकते हैं।

कहा जाता है कि कभी यह शहर शापित था, क्योंकि यहां के लोग चेतावनियों को नजरंदाज करते हुए बुतों की पूजा किया करते थे, जिसके कारण इस पर आसमानी बिजली गिरी। मगर अब यहां हर जगह मूर्तियां दिखती हैं। यहां की प्रागैतिहासिक चट्टानों में लौह युग की कब्रें हैं, जिनका अध्ययन मानव इतिहास के बारे में जानकारी जुटाने के लिए किया जा रहा है। यहां इस्लाम-पूर्व की जीवनशैली की झलक देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को दिखाई जा रही है। यहां के पत्थरों में इतिहास, रेगिस्तान में कला, बाजार में तमाम तरह की खाने-पीने की चीजें, और रिसॉर्ट्स में महंगे गैर-प्राकृतिक उत्पाद मौजूद हैं। जाहिर है, एक ऐसे देश के लिए, जो जीवाश्म ईंधन और मजहबी यात्रा पर फलता-फूलता रहा हो, यह विश्वास की एक लंबी छलांग है। इसका असर भी खूब दिख रहा है। अब यहां के तमाम रिसॉर्ट्स भरे होते हैं, जिनमें सुबह में सूर्य नमस्कार, तो देर शाम बौद्ध धर्म का ध्यान कराया जाता है और ये सभी काम महिलाएं कराती हैं।

इसकी पुरातात्विक खोजों में छात्राएं शामिल हो सकें, इसके लिए विदेश में प्रशिक्षण की खातिर उनको छात्रवृत्ति दी जा रही है। ऐसा लगता है कि क्राउन प्रिंस ने अपनी शर्तों पर 'सऊदी स्प्रिंग' लाने का फैसला कर लिया है। अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर जरूर कुछ कहा जा सकता है, लेकिन पूर्णता पर जोर अक्सर अच्छे सुधारों के क्रियान्वयन को रोकता है। इसलिए एक समय में एक कदम, और जब यह कदम महिलाओं को मुख्यधारा में लाने की दिशा में उठाया जा रहा है, तो निश्चय ही यह स्वागत के योग्य है।

बीते हफ्ते से गैर-मुस्लिम विदेशी राजनयिक रियाद के विशेष स्टोर से शराब खरीद सकते हैं। यह कोई छोटा बदलाव नहीं है, क्योंकि यह व्यक्तिगत पसंद के अधिकार की रक्षा करता है। इस बदलाव का मकसद वैश्विक प्रक्रियाओं में भागीदारी बढ़ाना है। सऊदी अरब यह समझने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के रास्ते पर चल पड़ा है कि तेल और मजहब पर्याप्त नहीं है। पारंपरिक सोच रखने वालों के लिए भले ही अल-उला एक शापित शहर हो, पर अब वे इसको नजरंदाज भी नहीं कर सकते। मदीना क्षेत्र का एक उत्साही गाइड हंसते हुए कहता है, अब हमारे पास ताकत है, आपको यदि यह पसंद नहीं, तो यह आपकी समस्या है। निस्संदेह, यह हंसी अब सऊदी अरब का सबसे बड़ा पर्यटक आकर्षण है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

सेना की निरंकुशता का दंश झेलता पाक लोकतंत्र

जी. पार्थसारथी

अखबार की एक हालिया रिपोर्ट में वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार मलीहा लोधी, जो विगत में एक बड़े राजनयिक पद पर भी रह चुकी हैं, लिखती हैं कि पाकिस्तान के वर्तमान सैन्य प्रतिष्ठान का मुख्य ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि इमरान खान प्रधानमंत्री न बनने पाएं। इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा को भ्रष्टाचार के एक मामले में 14 साल की सजा मिली है। सरकारी गुप्त भेद जाहिर करने के एक अन्य मामले में इमरान खान को पहले ही 10 साल की कैद सुनाई जा चुकी है। कोई हैरानी नहीं कि पाकिस्तान का राजकाज एक अंतरिम सरकार के हाथ में होने के बावजूद पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा अपने चेले ले. जनरल असीम मुनीर को अपनी जगह बैठवा पाए, जब नवम्बर, 2022 को उन्हें नया सेनाध्यक्ष बनाया गया। पूर्वानुमानों के अनुसार सेनाध्यक्ष बनते सार जनरल मुनीर की पहली विदेश यात्राओं में एक था वाशिंगटन डीसी का हालिया दौरा। यह जनरल बाजवा ही थे जिन्होंने अमेरिका के कहने पर पाकिस्तान से यूक्रेन को हथियार और गोला-बारूद मुहैया करवाया था। यूक्रेन जैसे मामले से इतर भी अमेरिका का पाकिस्तान पर काफी प्रभाव अभी भी कायम है। हालांकि इसका पाकिस्तान और उसके सदाबहार दोस्त चीन के बीच रिश्तों पर कोई असर नहीं है।

पाकिस्तानी सेना का देश के घरेलू मामलों और विदेश नीति में भारी दखल बना हुआ है। इमरान खान संसदीय चुनाव जीतकर पुन: सत्ता हासिल न करने पाएं, इसके पीछे सेनाध्यक्ष की भूमिका खासी है। इमरान खान ने अमेरिका के खिलाफ भी काफी जहर उगला था। आज पाकिस्तान के लिए फिक्र करने लायक केवल भारत नहीं है क्योंकि उत्तर में अफगानिस्तान और पूर्वी पड़ोसी ईरान के साथ उसके रिश्ते तल्ख हैं। इस बीच, चीन और ईरान अफगानिस्तान पर डोरे डाल रहे हैं तो पाकिस्तान अपने यहां शरण लिए बैठे लगभग 37 से 44 लाख अफगान-पश्तूनों को खदेड़ना चाहता है। यह शरणार्थी वही अफगान लोग हैं, जिनका इस्तेमाल कर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में पहले सोवियत संघ और फिर अमेरिका के विरुद्ध छ:युद्ध चलाए रखा था। लेकिन इसका शुद्ध परिणाम है अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव। भारत उन 10 क्षेत्रीय मुल्कों में एक है जिन्होंने हाल ही में तालिबान द्वारा काबुल में क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए सम्मेलन में भाग लिया। इसमें भारत, कजाखस्तान, तुर्की, रूस, चीन, ईरान, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, इंडोनेशिया और किर्गिजस्तान ने भाग लिया। जाहिर है भारत आगे भी गेहूं आपूर्ति, बुनियादी ढांचा निर्माण, शिक्षा क्षेत्र के विकास हेतु अफगानिस्तान की मदद जारी रखेगा। इसलिए अफगान जनता भारत की उपस्थिति का स्वागत करती है। पाकिस्तान इस प्रक्रिया में अड़ंगा लगाने लायक नहीं रहा क्योंकि अब सहायता सामग्री ईरान के चाबहार बंदरगाह के जरिये पहुंच रही है। इसी बीच, भारत की भांति यूएई ने तालिबान सरकार के साथ निकट सहयोग स्थापित कर लिया है।

तयशुदा कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव होंगे, इमरान खान और नवनियुक्त सेनाध्यक्ष के बीच दुश्मनी के कारण यह गैर-मामूली होने वाले हैं। इमरान खान और जनरल मुनीर के बीच कभी नहीं पटी और उन्हें निजी खुन्नस इसलिए भी है क्योंकि प्रधानमंत्री रहते हुए उनकी नियुक्ति बतौर आईएसआई महानिदेशक करने में इमरान खान ने अड़ंगा लगाया था। नतीजतन सरकारी नियमों का गंभीर उल्लंघन करने के दोष में इमरान खान को एक के बाद एक मुकदमें झेलने पड़ रहे हैं। इनमें एक है, इमरान खान द्वारा वाशिंगटन स्थित पाकिस्तान के राजदूत असर माजिद खान द्वारा भेजे अति गुप्त संदेश के ब्योरे को जगजाहिर करना जो उनके और अमेरिका के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अफसर के बीच मुलाकात के दौरान का संवाद है। यह अमेरिका की नीतियों का ठोस संकेत देता और पाकिस्तान को लेकर अमेरिका की पसंद-नापसंद पर बातचीत पर आधारित गुप्त संदेश था। किंतु इमरान खान ने गलत सलाह मानकर यह सूचना सार्वजनिक कर दी। इमरान खान और पत्नी बुशरा पर तेजी से मुकदमा चला और जेल की सजा मिली।

इस घटनाक्रम ने पाकिस्तान में इमरान खान पर विशेष अदालत में एक अन्य मामला चलाने की राह खोल दी, जिसमें हाल ही में उन्हें 10 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। हालांकि, इमरान ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का उल्लंघन करने वाले दोषों को नकारा है। उनका कहना है कि पाकिस्तानी जनता के प्रति उत्तरदायित्व के हितार्थ उन्होंने वाशिंगटन से मिले संदेश को सार्वजनिक किया क्योंकि इसमें उन्हें अपदस्थ करने वाली कथित साजिश का जिक्र था। रोचक कि जहां यह सब हो रहा है वहीं सोमालियाई डाकुओं द्वारा अपहृत एक ईरानी जलयान, जिसका पूरा अमला पाकिस्तानी है, भारतीय नौसेना ने छुड़वा लिया। भारतीय नौसेना द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार ईरानी ध्वज लगे और पाकिस्तानी स्टाफ वाले एक जलयान का अपहरण सोमालियाई समुद्री डाकुओं द्वारा किए जाने की सूचना मिलने पर भारतीय विध्वंसक जलपोत ने प्रति-कार्रवाई करते हुए उसे सोमालिया के तट के पास बचा लिया। अलबत्ता पाकिस्तान ने इस घटना पर चुप्पी साध रखी है।

इमरान खान की जबरन विदाई के बाद, जब से जनरल मुनीर ने कार्य संभाला है, बड़ी शिद्दत से प्रयास करके सुनिश्चित किया जा रहा है कि जो कोई भी इमरान खान का नजदीकी या उनकी सरकार का सक्रिय मददगार रहा, उसको पकड़कर मुकदमा चलाया जाए। इनमें पूर्व विदेशमंत्री शाह महमूद कुरैशी भी एक हैं, विशेष अदालत ने उन्हें 10 साल की कैद सुनाई है। स्पष्टत: इमरान खान को जनरल मुनीर की निजी अदावत का कोप झेलना पड़ रहा है। हालांकि इमरान खान को हटाये जाने के बाद मुनीर पहले आईएसआई मुखिया बने, फिर सेनाध्यक्ष।

पाकिस्तान में आमतौर से माना जा रहा है कि यदि 8 फरवरी के संसदीय चुनाव में इमरान खान को चुनाव में भाग लेने दिया होता तो जीत उनकी पार्टी की हो सकती थी। हालांकि अब माना जा रहा है कि पाकिस्तानी संसद में सबसे ज्यादा सीटें नवाज़ शरीफ के दल की रहेंगी। वैसे तो नवाज़ शरीफ कमोबेश भारत के साथ संबंध अच्छे रखने का वादा करते आए हैं, लेकिन इस मामले में भारत को उनका और उनके सेनाध्यक्ष का रुख अच्छी तरह समझने के बाद सावधानीपूर्वक कदम बढ़ाने होंगे। बेशक पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा भारत से संबंध अच्छे रखने के पैरोकार रहे, वहीं उनके शागिर्द जनरल मुनीर इस मामले में अपने गुरु के विचारों से जाहिराना तौर पर इत्तेफाक नहीं रखते। पंजाब के कुछ अलगाववादी तत्वों को लेकर नवाज़ शरीफ का रिकार्ड कतिपय कारणों से अच्छी भावना वाला नहीं रहा। इसको जहन में रखना जरूरी है। पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के अंदर दोनों मुल्कों में व्यक्ति से व्यक्ति का संबंध, व्यापार और आर्थिक सहयोग और संपर्क बनने को लेकर डर कायम है। नवाज़ शरीफ और जनरल मुनीर ऐसे प्रस्तावों पर क्या रुख रखेंगे, यह देखना बाकी है।

(लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

बाल विवाह एक सामाजिक बुराई ही नही, कानूनन अपराध भी है

दुर्ग। राज्य में बाल विवाह के प्रभावी रोकथाम हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। बाल विवाह केवल एक सामाजिक बुराई ही नही अपितु कानूनन अपराध भी है। बाल विवाह से बच्चों का सर्वांगीण विकास प्रभावित होता है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह करने वाले वर एवं वधु के माता-पिता, सगे-संबंधी, बाराती यहां तक कि विवाह कराने वाले पुरोहित पर भी कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। इसके अतिरिक्त यदि वर या कन्या बाल विवाह पश्चात् विवाह को स्वीकार नही करते हैं, तो बालिग होने के पश्चात् विवाह को शून्य घोषित करने हेतु आवेदन कर सकते हैं। बाल विवाह के कारण बच्चों में कुपोषण, शिशु मृत्यु दर एवं मातृ-मृत्यु दर के साथ घरेलू हिंसा में भी वृद्धि होती है एवं बाल विवाह बालकों के सर्वोत्तम हित में नही है। राज्य में इसकी पूर्ण रोकथाम किया जाना आवश्यक है। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने राज्य में बाल विवाह की पूर्ण रोकथाम हेतु दिशानिर्देशों के अनुरूप वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, सर्व अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जिला शिक्षा अधिकारी, नगरीय निकाय/पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, स्वयं सेवी संगठनों, जिला प्रशासन एवं संबंधित सभी विभागों के बीच प्रभावी समन्वय, समाज के सभी मुखियाओं के सहयोग से व्यापक प्रचार-प्रसार, मुनादी तथा आमजनों के सहयोग से परिणाम मूलक कार्यवाही कर 15 दिवस की समय सीमा में कृत कार्यवाही से महिला एवं बाल विकास विभाग को अवगत कराने को कहा है।

भवनों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण व समय सीमा में हो - आयुक्त

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना के विभिन्न घटक में निर्माणाधीन भवनों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण व समय सीमा में पुरा हो ताकि पात्र हितग्राहियों को लॉटरी पद्वति से आवास आबंटन शीध्र किया जा सके। निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव सोमवार को खम्हरिया में बन रहे प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानो का स्थल अवलोकन किये, उन्होने मौके पर उपस्थित ठेकेदार से कहा कि ए.एच.पी के सभी भवनों को निर्माण समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण हो। आयुक्त सुबह 7 बजे जोन 1 में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए खम्हरिया पहुॅचे थे। बता दे कि खम्हरिया के मॉइल स्टोन स्कूल के पास, ग्रीन वैली, सूर्या बिहार के पीछे, अविनाश मेट्रोपालिश, एंनार स्टेट में भवन का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी संख्या 3709 है, जिसमें से 987 भवनो का आबंटन लॉटरी निकाल कर किया जा चुका है। उसी प्रकार केनाल रोड एवं अन्य से प्रभावित 95 हितग्राहियों को आवास आबंटन किया जा चुका है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 70 से अधिक ट्रैक मशीन रेलवे पटरियों की कर रहे हैं रखवाली

रेलवे ट्रैक का आधुनिक एवं उन्नत मशीनों से किया जा रहा है रख रखाव

बीते 10 माह में की गई 4800 किमी से अधिक प्लेन ट्रैक टैंपिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय रेलवे के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे लगभग 5480 ट्रैक रूट किलोमीटर रेल लाइन के साथ प्रतिदिन औसत लगभग 360 यात्री गाड़ियों के साथ-साथ माल गाड़ियों का भी परिचालन करती है। इतनी बड़ी संख्या में रेल लाइनों पर गाड़ियों के परिचालन से निश्चित ही रेल लाइनों का समयानूसार आवश्यक मेंटेनेंस कार्य की आवश्यकता होती है। रेल परिचालन जितना महत्वपूर्ण है उतना ही जरूरी रेल पटरियों का मेंटेनेंस भी है। रेलवे द्वारा अत्याधुनिक मशीनों से रेलवे पटरियों का रखरखाव कर रहा है।

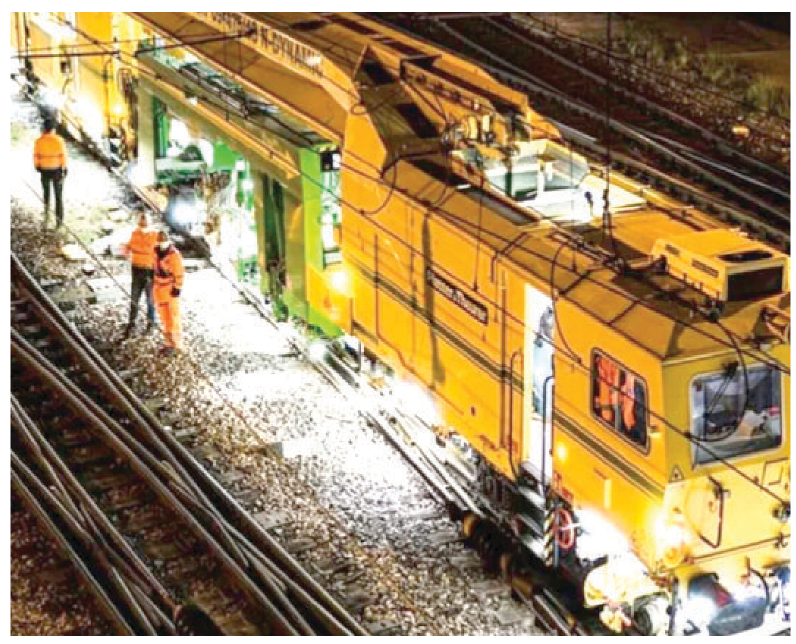

इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत रेल लाइनों का ट्रैक मशीनों के द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 के अप्रैल2023 से जनवरी 2024 तक पिछले 10 महीनों में 4800 किलोमीटर से भी अधिक प्लेन ट्रैक की टैंपिंग का कार्य किया गया है, जो कि पिछले वर्षों की तुलना में अधिक है । ट्रैक मेंटेनेंस के दौरान दिन हो या रात, सर्दी हो या बरसात 24 घंटे रेल कर्मचारी एक-एक मिनट के समय का सदुपयोग करते हुए संरक्षित रेल परिचालन के लिए कार्य करता है । इसके साथ ही साथ इन्ही दौरान रेलवे लाइनों पर ट्रैको के रिनिवल एवं मेंटेनेंस करनेवाली मशीनों से भी कार्य लिया जाता है । वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने 74 ट्रैक मशीनों के साथ ट्रैक रखरखाव एवं अनुरक्षण के कार्य में मुस्तैदी के साथ कार्यरत है । ट्रैक मशीनों मे मुख्यत: सीएसएम, ड्योमैटिक, एमपीटी, यूनिमेट, बीसीएम, एफ़आरएम, बीआरएम, पीक्यूआरएस, टी28, आदि शामिल हैं । इन मशीनों के संचालन के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ट्रैक मशीन विभाग में लगभग 700 से अधिक कर्मचारी कार्यरत है ।

सुरक्षित सफर के लिए मेंटेनेंस जरूरी

रेल लाइनों के मेंटेनेंस में मुख्य रूप से रेल लाइनों की लाइनिं, लेवलिंग एवं अलाइनमेंट बहुत ही महत्वपूर्ण है इसके साथ ही साथ रेल लाइनों के नीचे बिछा हुआ गिट्टी या बैलास्ट, जो कि लाइनों के लिए कुशन का कार्य करती है तथा रेल लाइनों के ऊपर पड़ने वाली गाड़ियों के भार को सही मात्रा में बांटकर रेल यात्रियों के आरामदायक यात्रा को सुनिश्चित करने में मदद करती है। रेल यात्रियों के संरक्षित सफर को सुनिश्चित करने में रेल लाइनों के मेंटेनेंस कार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। नए जरूरतों को देखते हुए रेलवे द्वारा अत्यधिक आधुनिक मशीन का प्रयोग किया जा रहा है। इन अत्याधुनिक मशीन के द्वारा रेल ट्रैक के रखरखाव से संबंधित अनेक प्रकार के कार्य सुगमता से सरलता से किए जाते हैं। मशीन के द्वारा कार्य में लागत अत्यधिक कम आती है, और साथ-साथ में रेल ट्रैक की भारी संरचना के कार्य को भी सरल एवं सुरक्षित तरीके से कर देती है जिससे ट्रैक कर्मियों की सुरक्षा भी बनी रहती है।

130 किमी तक पहुंच चुकी है गति

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में तीसरी लाइन, चौथी लाइन एवं नई लाइन के निर्माण कार्य तथा कार्यरत लाइन के अनुरक्षण एवं मरम्मत के लिए मशीनों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो गई है। इसके के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेल में मैनपावर के साथ, उच्च तकनीक के मशीनों का भी इस्तेमाल करके आधुनिक ट्रैक मेंटेनेंस किया जा रहा है। नागपुर से बिलासपुर की मेन लाइन की गति 130 किलोमीटर प्रति घंटे की जा चुकी है । बिलासपुर से झारसुगुड़ा सेक्शन की गति मे वृद्धि का परीक्षण भी किया जा चुका है । आने वाले समय में इस सेक्शन की गति मे भी वृद्धि हो जाएगी । ऐसे में इस मशीनों की आवश्यकता तथा महत्ता और बढ़ गई है । लाखो करोड़ों रेल यात्रियों के विश्वास और भरोसे पर खरा उतरने के लिए जरूरी है कि हमारे यात्रियों के ट्रेनों पर चढ़ने से लेकर उनके गंतव्य पहुँचने तक भारतीय रेलवे की विश्वसनीय एवं भरोसे की मुस्कान हमारे रेल यात्रियों के चेहरे पर लगातार बनी रहे। इस विश्वास को बनाये रखने के लिए हमारे रेल यात्रियों से हमें मेंटेनेंस एवं आवश्यक रेल विकास कार्यों के दौरान होने वाली असुविधा के लिए सहयोग की आशा रहती है।

दो दिवसीय पश्चिम क्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग के तत्वावधान में पश्चिम क्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता वर्ष 2023-24 का आयोजन, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) छत्तीसगढ़, रायपुर द्वारा दिनांक 05-02-2024 एवं 06-02-2024 को सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रायपुर में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग के ही पांच टीमें रायपुर, ग्वालियर, नागपुर, राजकोट और जयपुर भाग ले रही है। दो दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ श्री पी.सी. माझी, प्रधान महालेखाकार छत्तीसगढ़ रायपुर के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का नॉक आउट मैच जयपुर और राजकोट के बीच खेला गया, जिसमें प्रथम जयपुर की टीम ने राजकोट की टीम को 4-0 से पराजित किया। उसके उपरांत प्रथम सेमिफ़ाइनल मैच रायपुर और नागपुर के बीच खेला गया जिसमें नागपुर की टीम ने रायपुर की टीम को 7-2 से पराजित किया। उसके उपरांत प्रथम मैच के विजेता टीम जयपुर और ग्वालियर के बीच दूसरा सेमिफ़ाइनल मैच तथा फाइनल मैच कल दिनांक 06.02.2024 को खेला जाना है। प्रधान महालेखाकार तथा प्रधान महालेखाकार के सभी उप-महालेखाकार क्रमश: श्रीमती जी. इजिलारसि, और कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रोफेसर कॉलोनीवासियों ने अवैध रूप से संचालित दुकानों की शिकायत , स्ट्रीट लाईट लगवाने जनदर्शन में दिया आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रति सोमवार को आयोजित होने वाले कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले के विभिन्न स्थानों से आवेदन लेकर पहुंचें लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही करने के लिए आवश्यक पहल करने को कहा।

जनदर्शन में आज 170 आवेदन प्राप्त हुए। प्रोफेसर कॉलोनी के निवासियों ने अवैध रूप से संचालित दुकानों की शिकायत करते हुए बताया कि आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल एवं साईंस कॉलेज के पास प्रोफेसर कॉलोनी दीपक नगर जाने वाले रोड पर अवैध रूप से दुकानों का संचालन किया जा रहा है, दुकानों में आने वाले ग्राहकों द्वारा रोड पर गाड़ी खड़ी कर देते हैं, जिससे कॉलोनी में आने जाने वालों को परेशानी होने के साथ वाद विवाद की स्थिति निर्मित होती है। साथ ही स्कूल की निर्धारित परिधि के आसपास दुकानों के संचालन से असामाजिक व मनचले युवाओं द्वारा स्कूल में जाने वाले बच्चों से छेड़खानी करते हैं। कलेक्टर ने उनकी समस्याओं को ध्यान देते हुए नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम पोटियाकला वासियों ने स्ट्रीट लाईट लगवाने दिया आवेदन। उन्होंने बताया कि ग्राम पोटियाकला वार्ड 54 में स्ट्रीट लाईट नही होने की वजह से अंधेरे के कारण असामाजिक तत्व का जमावाड़ा बना रहता है, जिससे कारण मोहल्लेवासियों को अंधेरे के कारण आने जाने में परेशानी होती है। इसी प्रकार खोपली निवासी ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। खोपली निवासी गंगा अत्यंत गरीब एवं कमजोर वर्ग की है। रोजी मजदूरी कर अथवा भरण पोषण करती है। आर्थिक रूप से सक्षम नही होने के कारण अपना इलाज करवाने में असमर्थ है। इस पर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। मिनी स्टेडियम पद्मनाभपुर के निवासियों ने शिकायत करते हुए बताया कि मिनी स्टेडियम में सालभर होने वाले क्रिकेट मैच में लाउडस्पीकर, डीजे और ड्रम का उपयोग करते हैं जिससे ध्वनि प्रदूषण होता है, जो कि रात 12 बजे तक चलता रहता है। क्षेत्र के आसपास के निवासियों विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को इन घटनाओं के कारण ध्वनि प्रदूषण के साथ कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। निवासियों द्वारा मिनी स्टेडियम में होने वाले आयोजनों से नही है, बल्कि ध्वनि प्रदूषण से होने वाले कष्टो से है। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम खपरी निवासी कृषक ने खेत के पानी निकासी हेतु नाली निर्माण के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वह कृषि कार्य कर अपने परिवार का जीवकोपार्जन करता है। खेत के सीमा से रोड निर्माण होने के कारण से खेत से पानी का निकासी नही हो पाता है, जिसके कारण खेतों में पानी भरा रहता है। बरसात के समय बारिश का पानी खेत में भर जाने के कारण कृषि कार्य करने में असुविधा होती है।

महतारी वंदन योजना: दुर्ग जिले में पहले दिन 13,997 महिलाओं ने किया आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देन के उद्देश्य से प्रदेश में महतारी वंदन योजना के तहत ऑनलाईन आवेदन भरना प्रारम्भ हो गया है। योजनांतर्गत दुर्ग जिले के सभी परियोजनाओं में कुल 1,04,000 आवेदन पत्र वितरित किए गए एवं आवेदकों से पहले दिन कुल 13,997 आवेदन पत्र निगम कार्यालय एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा जमा किया गया है।

महतारी वंदन योजना में महिलाओं द्वारा इस योजना के प्रति सकारात्मक सहयोग किया जा रहा है व जिले की महिलाओं में उत्साह का वातावरण है। इस योजना के अंतर्गत सिंधिया नगर के वर्षा देवेन्द्र वासिंग ने महतारी वंदन योजना के तहत अपना फार्म भरा। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे हर महीने एक हजार प्राप्त होने वाली राशि से घर की छोटी-मोटी तकलीफों से हमे निजात मिलेगा। बच्चों की पढ़ाई, आर्थिक स्थिति में हम परिवार की मदद कर सकेंगे।

योजना को लेकर कंचन राय ने बताया कि उनके दो बच्चे हैं और पति प्राईवेट नौकरी करते हैं। उन्होंने कहा की हम महिलाओं के लिए यह योजना बहुत अच्छी है। खासकर जो मध्यम वर्ग व छोटे परिवार के लिए यह सहयोग राशि बहुत ही लाभदायक है।

इस राशि से हमें छोटे-छोटे परिवारिक खर्च करने में सहायता मिलेगी। इसी प्रकार तितुरडीह निवासी श्रीमती प्रमिला मण्डावी उम्र 40 वर्ष ने भी अपना फार्म भरा। उन्होने बताया कि इससे जो मुझे लाभ मिलेगा वह आने वाले भविष्य में बहुत लाभप्रद रहेगा।

बच्चों की पढ़ाई, कापी-पुस्तकों एवं अन्य वस्तुओं के लिए मिलने वाली राशि का उपयोग करेगी। उन्होंने बताया कि उनके पति मजदूरी करते हैं, उनके तीन बच्चे हैं। तीनों बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना संभव नही हो पा रहा था, किंतु अब इस राशि के मिलने से बच्चों की पढ़ाई में सहायता मिल सकेगी। सालाना 12 हजार रुपये सरकार महिला लाभार्थियों को देगी, जिससे महिलाएं अपनी परिवार की सहायता करने में सहायक होगी। इस दौरान सभी महिलाओं ने महतारी वंदन योजना प्रारंभ करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किये है।

संकल्प शिविर में उमड़ रही हितग्राहियों की भीड़, महतारी वंदन योजना लाभ लेने

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत महतारी वंदन योजना को राज्य सरकार से हरी झंडी मिलने के बाद दुर्ग नगर पालिक निगम द्वारा आज इस योजना के क्रियान्वयन के लिए युध्द स्तर पर तैयारियां शुरू कर ली गई । इस योजना को लेकर आज आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अधिकारियों के साथ शिविर स्थल का अवलोकन कर अधिकारी व शिविर में आये हितग्राहियों से मुलाकात कर उनसे चर्चा की।आज महतारी वंदन योजना को लेकर आज 5 फरवरी से पंजीयन की प्रक्रिया शुरू किया गया है।शहर में दो अलग-अलग स्थानों में शिविर का आयोजन किया गया। पहला शिविर सुबह आठ बजे से 12 बजे तक बघेरा सामुदायिक भवन वार्ड क्रं 56 और दूसरा शिविर 2 बजे से 6 बजे तक तितुरडीह शहीदभगत सिंग स्कूल वार्ड क्र 21 आयोजित किया गया।इसके अलावा 6 फरवरी को जनता मार्केट पद्मनाभपुर वार्ड 46 सुबह 8 से 12 बजे तक और महावीर खेल मैदान बोरसी वार्ड 52 दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक शिविर लगाया जाएगा।आज आयोजित शिविर में हितग्राहियों ने पंजीयन करवाया।

रायपुर की टिश्यू कल्चर लैब का बालोद जिले के गन्ना कृषकों ने किया भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गन्ना की फसल के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को राजधानी रायपुर स्थिति गन्ना टिशु कल्चर लेब का भ्रमण कराया जा रहा है। आज बालोद जिले के 29 गन्ना कृषकों ने भ्रमण किया। वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को गन्ने के खेतों का अवलोकन के साथ ही टिशु कल्चर की तकनीक जानकारी दी गई ।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि किसानों को फिल्ड में लगे गन्ना किस्म सीओजे 085, वीएसआई 8005 तथा सीओ 86032 के पौधों का प्रत्यक्ष अवलोकन भी कराया गया। किसानों को बताया गया कि टिश्यू कल्चर पौध तैयार करने में लागत प्रति पौध 2.50 रूपये आती है। प्रति हेक्टेयर 7000 पौधे की आवश्यक होती है, जिसकी लागत 17,500 रूपये हाती है। इसका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 1000 क्विंटल आता है। इसे एमआरपी की दर से बेचने पर आय 03 लाख 55 हजार रूपये प्राप्त होगी। अगर आदान सामग्री लागत 01 लाख रूपये घटा दिया जाए तो कृषकों को 02 लाख रूपये तक शुद्ध लाभ मिल सकती है। जिससे कृषकों की आय दुगुनी होने में सहायक होगी तथा गन्ने की खेती का क्षेत्र बढ़ेगा और अन्य कृषक भी गन्ना शेड से बोने की तकनीक को छोड़कर गन्ना टिश्यू कल्चर पौध बोने लगेंगे, जिससे बालोद जिले में स्थित शक्कर कारखाना को पर्याप्त मात्रा में गन्ना उपलब्ध हो सकेगा।

बलोद जिले के भ्रमण करने वाले गन्ना कृषकों में बालोद विकासखण्ड से 07, गुरूर विकासखण्ड से 05, डौण्डी विकासखण्ड से 05, डौण्डीलोहारा विकासखण्ड से 05 एवं गुण्डरदेही विकासखण्ड से 07 किसान शामिल थे।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

तिल्दा में रक्तदान शिविर लगाया गया रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया

रायपुर। विकास मित्र मंडल की ओर से तिल्दा में पूज्य सिंधी पंचायत भवन में रक्तदान शिविर लगाया गया। रक्तदाताओं ने दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए महादान किया। आशीर्वाद ब्लड बैंक के सहयोग से लगाए शिविर में छात्रों से लेकर हर वर्ग ने जोश दिखाया। लोगों ने सेवा कार्य में बढ़ चढ़कर भाग लिया। शिविर में दोपहर तक में दुकानों के कर्मचारी, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, स्वयंसेवी, डॉक्टर, विद्यार्थी, चिकित्सा कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, राजनीतिक दल, पत्रकार एवं आम नागरिक शामिल हुए। रक्तदाताओं ने रक्तदान से दूसरों की जिंदगी बचाने का संदेश दिया। कई लोग पहली बार रक्तदान के लिए पहुंचे तो कुछ स्वैच्छिक तौर पर आए। रक्तदान की शुरुआत करते विकास मित्र मंडल के संस्थापक एवं नगर पालिका तिल्दा नेवरा के उपाध्यक्ष विकास सुखवानी ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान के लिए पहुंचे रक्तदाताओं के पते, मोबाइल नंबर, खून का ग्रुप आदि महत्वपूर्ण जानकारियां ली गईं, ताकि भविष्य में जरूरतमंद मरीजों के लिए दोबारा उनकी सेवाएं ली जा सकें। शिविर में विकास मित्र मंडल के सदस्यों ने भी रक्तदान किया। रक्तदाताओं को विकास मित्र मंडल ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। पहली बार सुखद अहसास हुआ: पहली बार स्वैच्छिक तौर पर रक्तदान के लिए पहुंचे युवाओं ने कहा कि रक्तदान से सुखद अहसास हुआ है। सिंधी कैंप के 21 साल पीयूष विधानी ने कहा कि पहली बार रक्तदान करके अच्छा लगा।

खेलों को बढ़ावा देने मद्कूद्वीप में बनाया जाएगा खेल परिसर: अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होकर खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव रविवार को मुंगेली जिले के मद्कूद्वीप में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल हुए। श्री साव ने इस मौके पर कहा कि मद्कूद्वीप में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने वहां खेल परिसर बनाने की भी बात कही। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल से टीम वर्क और नेतृत्व की भावना बढ़ती है तथा जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है। खेल से स्वस्थ शरीर एवं मस्तिष्क का विकास होता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लगातार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे प्रतिभावान खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

उप मुख्यमंत्री साव ने मद्कूद्वीप में कबड्डी प्रतियोगिता के विजेता टीमों को पुरस्कृत किया। उन्होंने खिलाड़ियों को शील्ड एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया। प्रतियोगिता की विजेता टीम को 15 हजार रुपए और उप विजेता टीम को 11 हजार रुपए प्रदान किए गए। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को क्रमश: 5100 रुपए और 3100 रुपए का पुरस्कार दिया गया। श्री साव ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजक समिति को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं बिल्हा के विधायक धरमलाल कौशिक और मुंगेली जिला पंचायत की सदस्य अम्बालिका साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा बड़ी संख्या में कबड्डी प्रेमी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. श्रीकांत राजिमवाले का निधन

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ श्रीकांत राजिमवाले का सोमवार को निधन हो गया है। वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे और छुट्टी पर थे। कुछ साल पहले उनका किडनी ट्रांसप्लांट भी हुआ था। मंगलवार दोपहर 1 बजे मारवाड़ी श्मशान घाट में उनके शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

डॉ श्रीकांत कमल विहार स्थित निजी अस्पताल में भर्ती थे, जहां उन्होंने दम तोड़ा। वे लिवर और किडनी से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे। श्रीकांत राजिमवाले लंबे समय से प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में अलग-अलग पदों पर काम किया। डॉ श्रीकांत राजिमवाले छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल और फार्मेसी काउंसिल में रजिस्टर के पद पर रहे। कोरोना संक्रमण काल के दौरान वे प्रदेश में वैक्सीनेशन प्रोग्राम के इंचार्ज थे। कोविड काल में बेहतरीन काम करने के लिए उन्हें काफी सराहना मिली।

मेडिकल फील्ड में शोक की लहर

आईएमए रायपुर ब्रांच के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने बताया कि रायपुर मेडिकल कॉलेज से 1980 बैच के पास आउट डॉ श्रीकांत राजिमवाले उनके सहपाठी थे। उनके निधन से मेडिकल फील्ड में शोक की लहर है। उन्होंने कहा कि डॉ श्रीकांत राजिमवाले बीमार थे और उनका इलाज के दौरान निधन हो गया।

15 साल तक स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार रहे

डॉ श्रीकांत राजिमवाले 2008 से छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार रहे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में रजिस्ट्रार, ज्वाइंट डायरेक्टर, आयुष्मान योजना का चार्ज संभाला। बता दें कि लंबे समय तक वे एक ही पद पर बने हुए थे, जिसकी शिकायत 2019 में निर्वाचन आयोग से हुई थी। बाद में उन्हें रजिस्ट्रार के पद से हटा दिया गया था।

छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद अब तक की सबसे बड़ी धान खरीदी, 144.92 लाख टन धान की हुई रिकॉर्ड खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर अब तक की सबसे बड़ी धान की खरीदी हुई है। एक नवंबर से 04 फरवरी तक चले इस अभियान में 24 लाख 72 हजार से अधिक किसानों से 144.92 लाख टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद अब तक हुई यह सबसे बड़ी धान खरीदी है। इस वर्ष 130 लाख टन धान खरीदी का अनुमान लगाया गया था। इस साल की धान खरीदी की तुलना करने पर यह पिछली धान खरीदी से 37.39 लाख टन अधिक है। पिछले साल 107.53 लाख टन धान की खरीदी हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी की गई। किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल के मान से धान की खरीदी की गई है। वर्तमान में किसानों को समर्थन मूल्य का भुगतान किया गया है। जल्द ही अंतर की राशि का भुगतान किसानों को किया जाएगा। धान खरीदी सीजन में 24 लाख 72 हजार से अधिक किसानों से 144.92 लाख टन धान की खरीदी की गई है। इसके एवज में किसानों को 30 हजार 68 करोड़ 81 लाख रुपए का भुगतान किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों एवं किसान प्रतिनिधियों की मांग और उनकी परेशानियों को देखते हुए धान खरीदी की अवधि 31 जनवरी से बढ़ाकर 4 फरवरी कर दी थी। ऐसे किसान जो किन्हीं कारणों से 31 जनवरी तक धान नहीं बेच पाए थे, उन किसानों को मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील फैसले का लाभ मिला। धान खरीदी के लिए बढ़ाई गई अवधि में 19 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं। 1 फरवरी से लेकर 4 फरवरी के बीच 2.69 लाख टन धान की खरीदी हुई।

राज्य में चालू खरीफ विपणन वर्ष में 130 लाख टन धान का उपार्जन अनुमानित था। धान की रिकॉर्ड खरीदी के चलते अनुमानित उपार्जन का आंकड़ा काफी पीछे छूट गया है। इस साल धान बेचने के लिए राज्य के 26.85 लाख किसानों ने अपना पंजीयन कराया था। पंजीकृत धान का रकबा 33.51 लाख हेक्टेयर था। धान खरीदी की व्यवस्था के समानांतर कस्टम मिलिंग का काम भी तेजी से जारी है। उपार्जित धान 144.92 लाख टन में से 105.36 लाख टन धान के उठाव का डीओ जारी किया जा चुका है, जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 98.41 लाख टन धान का उठाव किया जा चुका है।

शिक्षा की गुणवत्ता ही बना सकती है भारत को विश्व में सिरमौर: शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत को विश्व सिरमौर बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जरूरत है, शिक्षण संस्थाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा छात्रों तक पहुंचाना सुनिश्चित करना होगा। शिक्षण संस्थाओं को नवाचार को बढ़ावा देकर छात्रों को रचनात्मक सोच के लिए प्रोत्साहित करना होगा। ये बातें छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रतिभा सम्मान समारोह और वार्षिकोत्सव के अवसर पर कही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री अग्रवाल ने कहा कि जिन छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता है, उनमें से कई को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पाती है। जिस कारण वे राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम नहीं हो पाते हैं। उच्च शिक्षण संस्थाओं को छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्हें छात्रों को अनुसंधान में भाग और नवाचार के लिए हमेशा प्रोत्साहित करना चाहिए। पढ़ाई के साथ-साथ ही खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों पर जोर देना चाहिए।

इस दौरान शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने महाविद्यालय में आयोजित पुरातात्विक प्रतिकृति कार्यशाला का भी निरीक्षण कर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया। कार्यक्रम में नगर निगम नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे, प्राचार्या डॉ. किरण गजपाल सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय के शिक्षक और छात्राएं उपस्थित थी।

महतारी वंदन योजना का फायदा लेने उमड़ी महिलाओं की भीड़

- फॉर्म वितरण के पहले ही दिन रायपुर जिले में बंटे 20 हजार से ज्यादा आवेदन पत्र
- 15 हजार 913 महिलाओं ने जमा भी किये आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में महतारी वंदन योजना के लिए आज से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पूरे जिले में आज बड़ी संख्या में महिलाएं महतारी वंदन योजना के फॉर्म लेने और जमा करने के लिए लोक सेवा केंद्रों और आंगनबाडी केन्द्रों में पहुंची। महिला सशक्तिकरण की दिशा में आर्थिक स्वावलंबन, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार, परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना की शुरूआत की गई है।

जिले में ऑनलाईन फॉर्म एवं ऑफलाईन पंजीयन शुरू हो गया है। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला स्तर पर फॉर्म भरने के लिए कार्यशाला का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे महिलाओं को फॉर्म भरने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन पत्र भरने की संपूर्ण प्रक्रिया नि:शुल्क है। आंगनबाड़ी केन्द्र, ग्राम पंचायत सचिव, बाल विकास परियोजना कार्यालय, नगरीय क्षेत्रों में वार्ड कार्यालय में फार्म भरे जा रहे हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 फरवरी 2024 है।

योजना हेतु फॉर्म वितरण शुरू होने के पहले ही दिन लगभग 16 हज़ार आठ सौ महिलाओं ने महतारी वंदन योजना हेतु भरे हुए आवेदन पत्र जमा किया है। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया है कि जिले भर से कुल 13 हजार 155 आवेदन पहले दि नही प्राप्त हुए हैं। वहीं रायपुर नगर निगम क्षेत्र में जोन एक से 404 आवेदन, जोन दो से 104, जोन तीन से 702, जोन चार से 215, जोन पांच से 103, जोन छ: से 161, जोन सात से 303, ज़ोन 8 से 189, जोन नौ सें 337 और जोन दस से 240 आवेदन पत्र शिविर एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में जमा हुए हैं। इस प्रकार कुल 15 हजार 913 आवेदन पत्र पहले ही दिन प्राप्त हुए।

पुरानी बस्ती निवासी रमा सोनकर आज लोक सेवा केन्द्र में महतारी वंदन योजना का फॉर्म लेने पहुंची। उन्होंने बताया कि आज से महतारी वंदन योजना के आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो रही है और इसकी जानकारी मिलने पर वह लोक सेवा केन्द्र में फॉर्म लेने आई है। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण के विषय में बहुत अच्छी पहल है और इस योजना के लिए वह राज्य सरकार का धन्यवाद करती है। सोनकर कहती हैं कि वह योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग अपने बच्चे के कॉपी-किताब खरीदने और छोटे-छोटे घरेलू खर्चों में उपयोग करेंगे।

महतारी वंदन योजना के तहत फॉर्म आंगनबाड़ी केंद्रों पंचायत स्तर पर शहरी क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी स्तर पर सहित परियोजना कार्यालय जिला कार्यालय में उपलब्ध हैं। विवाह पंजीयन नहीं होने पर स्वघोषणा शपथ पत्र जमा किया जा सकता है। महतारी वंदन योजना के क्रियान्वयन के संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि महिला के विवाहित होने के संबंध में यदि उनके पास दस्तावेज उपलब्ध न हो तो वह अपना स्वघोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर सकती है। मोबाइल नंबर नहीं होने पर राशन कार्ड की छायाप्रति कर सकते हैं जमा यदि महिला हितग्राही के पास मोबाइल नम्बर नहीं है तो इसके स्थान पर हितग्राही के द्वारा राशन कार्ड की छायाप्रति आवेदन पत्र के साथ अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर सकती है। गौरतलब है कि महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए विवाहित महिला को विवाह प्रमाण पत्र राशन कार्ड आधार कार्ड मतदाता परिचय पत्र निवास प्रमाण ग्राम पंचायत या वार्ड पार्षद द्वारा जारी प्रमाण पत्र को शामिल किया गया है। योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य की स्थानीय निवासी एवं विवाहित महिला पात्र होंगे। आवेदन के कैलेण्डर वर्ष अर्थात् जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा है उस वर्ष की 1 जनवरी को विवाहित महिला की आयु 21 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। विधवा तलाकशुदा परित्यक्ता महिला भी योजना के लिए पात्र होंगी। योजना अंतर्गत पात्र महिला को प्रतिमाह 1000 रुपए का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। सामाजिक सहायता कार्यक्रम विभिन्न पेंशन योजनाओं से पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं को 1000 रुपए से कम पेंशन राशि प्राप्त होने से शेष अंतर की राशि का भुगतान किया जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

अक्षय कुमार का गाना शंभू हुआ रिलीज, शिव बन एक्टर ने किया तांडव

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने अपनी दमदार एक्टिंग और एक्शन से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई हैं। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार ने अपने अब तक के करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाई हैं। एक्शन से लेकर कॉमेडी और सोशल ड्रामा तक अक्षय ने अपनी हर फिल्म से खूब तारीफ बटोरी है। वहीं अब एक्टर अपनी आवाज का जादू बिखरने के लिए तैयार है। दरअसल अक्षय कुमार एक म्यूजिक वीडियो शंभू में अपना सिंगिंग टैलेंट दिखाते नजर आएंगे। ये गाना आज रिलीज हो गया है।

अक्षय ने हाल ही में रिलीज हुए 'शंभू' नाम के म्यूजिक वीडियो में अपनी आवाज दी है। ये गाना पूरी तरह भगवान शिव को समर्पित एक भक्ति गीत है। इस सॉन्ग अक्षय महादेव के रूप में तांडव करते नजर आ रहे हैं। एक्टर का तांडव देखकर रौंगटे खड़े हो जाएंगे। इतना ही नहीं इस म्यूजिक वीडियो में अक्षय कुमार को देखकर आपको एक्टर की ओएमजी 2 की याद आ जाएगी। इस फिल्म में खिलाड़ी कुमार ने शिव दूत की भूमिका निभाई थी।

अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर 'शंभू' की रीलीज का वीडियो शेयर किया है। इसी के साथ एक्टर ने कैप्शन में लिखा है, हमारा दिव्य ट्रिब्यूट 'शंभू' सभी के अनुभव के लिए यहां है। इस गाने में एक्टर माथे पर तिलक लगाए, जटाए रखे हुए शिव के अवतार में काफी इम्प्रेसिव लग रहे हैं। एक्टर की चेस्ट पर एक टैटू भी नजर आ रहा है और वे ग्रे कलर की धोती में दिख रहे हैं। गाने के बोल काफी दमदार हैं और इस सुनने के बाद मन भोले की भक्ति में लीन हो जाता है। शंभू को विक्रम मॉन्ट्रोज ने कंपोज किया है और इसके लिरिक्स अभिनव शेखर के हैं। अक्षय ने इसे सुधीर यदुवंशी और विक्रम मॉन्ट्रोज के साथ मिलकर गाया है।

अक्षय कुमार खुद को शिव भक्त कहते हैं। वे इससे पहले साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म ओएमजी 2 में शिव दूत के रूप में नजर आए थे। उनके लेटेस्ट रिलीज गाने शंभू में एक्टर का अवतार देखकर ओएमजी 2 की याद आ जाती है। बता दें कि अक्षय कुमार शंभू से पहले भी अपनी आवाज का जादू बिखेर चुके हैं।

अक्षय कुमार की साल 2024 में कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं। फिलहाल एक्टर ने अपनी अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग पूरी की। अली अब्बास जफर द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ भी मुख्य भूमिका में हैं। यह अप्रैल में ईद पर रिलीज होने वाली है। इसके अलावा अक्षय कुमार वेलकम टू जंगल और हेरा फेरी 3 में भी नजर आएंगें।

वरुण धवन की बेबी जॉन का फर्स्ट लुक आया सामने, रौंगटे खड़े कर देगा एटली कुमार की फिल्म का टीजर

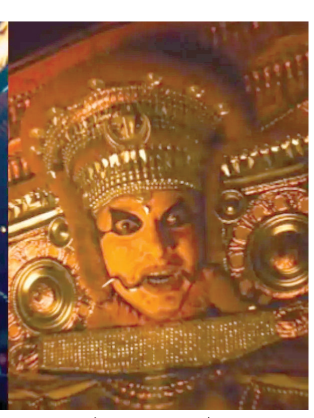

वरुण धवन की मोस्ट अवेटेड फिल्म वीडी 18 का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर के जरिए मेकर्स ने फिल्म का टाइटल से पर्दा उठा दिया है और साथ ही वरुण के फर्स्ट लुक और रिलीज डेट भी जारी कर दी है। टीजर में वरुण की आंखें, उनके तेवर और एक्शन बता रहे हैं कि ये उनकी अब तक की सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर फिल्म होने वाली है।

एटली और सिने वन स्टूडियोज के साथ ए फॉर एप्पल एंड सिने स्टूडियोज प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म वीडी 18 का टाइटल बेबी जॉन है। फिल्म को ए ।कलीसवरण ने डायरेक्ट किया है। बेबी जॉन में वरुण धवन के साथ कीर्ति सुरेश लीड किरदार में दिखाई देंगी। फिल्म 31 मई, 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज की जाएगी।

बेबी जॉन में वरुण धवन और कीर्ति सुरेश के अलावा वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ औप राजपाल यादव भी अहम किरदार अदा करते दिखाई देंगे। बेबी जॉन को 2024 की सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है। टीजर में वरुण को एक्शन अवतार में देखा जा सकता है। टीजर में बेबी जॉन बने वरुण के चारों तरफ आग ही आग और हथियार दिखाई दे रहे हैं। वहीं चील और भारत के साउथ राज्यों के डांस की झलकियां भी नजर आ रही है।

बता दें कि काफी समय से वरुण धवन की एक्शन एंटरटेनर फिल्म वीडी 18 को लेकर दर्शकों में एक्साइटमेंट थी जो कि टीजर के रिलीज से और बढ़ गई है। क्योंकि ये एक एक्शन से भरपूर फिल्म बताई जा रही है, शायद इसीलिए वरुण धवन फिल्म की शूटिंग के दौरान कई बार घायल भी हो गए थे जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी।

साड़ी में चाहिए एकदम ट्रेडिशनल, ग्रेसफुल और परफेक्ट लुक, तो फॉलो करें ये पांच स्टेप्स

साड़ी एक ऐसा अटायर है जिसे हम कभी भी पहन सकते हैं, रेगुलर वियर से लेकर ऑफिस, पार्टी में और शादी में भी साड़ी कैरी कर सकते हैं। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि जब हम साड़ी ड्रेप करते हैं, तो साड़ी ठीक तरीके से ड्रेप नहीं हो पाती और इसमें हमारा फिगर भी अजीब सा नजर आता है, जबकि सेलिब्रिटीज की साड़ी स्टाइल देखी जाए तो वह बहुत अच्छी तरह से साड़ी कैरी करती हैं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं सेलिब्रिटीज स्टाइल साड़ी कैरी करने के 5 टिप्स जिससे आपकी साड़ी एकदम परफेक्ट रहेगी।

पल्लू खुला रखें

अगर आप चाहती हैं कि आपकी साड़ी में आपका वजन बहुत ज्यादा ना दिखें और आप अपने फैट को छुपाना चाहते हैं, तो प्लीट्स ना डालते हुए इसे ओपन रखें और खुले पल्ले की साड़ी पहनें।

अपने वेट के अकॉर्डिंग साड़ी चुनें

साड़ी को सिलेक्ट करते टाइम आपको अपने फिगर को ध्यान में रखना चाहिए, अगर आपका वेट कम है तो आप हैवी साड़ी चुनें जिसमें बनारसी से लेकर कॉटन की साड़ी आप चुन सकती हैं। वहीं, अगर आपका वजन ज्यादा है तो आप लाइट वेट साड़ी जिसमें शिफॉन, जॉर्जेट जैसी साड़ी आप चुन सकते हैं।

पेटीकोट की जगह शेपवियर ट्राई करें

अगर आप चाहती है कि आपकी साड़ी एकदम सेलिब्रिटी स्टाइल लगे और इसमें आपका फिगर भी फ्लॉन्ट करें तो आप साड़ी के साथ पेटीकोट पहनने की जगह बॉडी फिटेड शेपवियर पहन सकती हैं। आप कोई भी बेसिक कलर का शेपवियर ले सकती है जो आपकी ज्यादातर साड़ियों पर चला जाए।

कलर्स का रखें खास ध्यान

अगर आप साड़ी कैरी कर रहे हैं, तो आपको हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि आप किस रंग की साड़ी पहन रहे हैं। बहुत ज्यादा डार्क कलर की साड़ी पहनने से बॉडी स्लिम नजर आती है। वहीं, अगर आप हल्के रंग की साड़ी पहनते हैं तो आपका वजन ज्यादा दिखता है।

बहुत ज्यादा छोटी प्लीट्स ना बनाएं

साड़ी में जब आप कमर के पास प्लीट्स बनाते हैं, तो उसे बहुत ज्यादा छोटा ना बनाएं। बड़ी-बड़ी प्लीट्स लेकर इसे समान रूप से अंदर टक करें और बाद में एक स्ट्रेटनर की मदद से अपनी प्लीट्स को जमा लें।

सिर्फ रोज डे ही नहीं, वेलेंटाइन डे पर भी दे गुलाब, यह है हर रंग के रोज का मतलब

फरवरी आते ही गुलाबों की बिक्री बढ़ जाती है। कई कपल्स बेताबी से वैलेंटाइन वीक का इंतजार करते हैं। वैलेंटाइन वीक 7 फरवरी से शुरू होता है और 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे तक चलता है। इस हफ्ते में, टेडी डे, चॉकलेट डे जैसे विभिन्न दिन मनाए जाते हैं। वैलेंटाइन वीक कम से कम एक त्योहार के बराबर है। यह हफ्ता 7 फरवरी को रोज डे से शुरू होता है। रोज डे पर, लोग एक दूसरे को गुलाब के फूल भेजकर अपने भावनाओं को व्यक्त करते हैं। लेकिन गुलाब के फूल देने की प्रक्रिया अन्य दिनों पर भी जारी रहती है।

कुछ प्रेमी अपने साथी को लाल गुलाब से अपना प्रेम व्यक्त करते हैं। तो कुछ लोग येलो, व्हाइट, पिंक रंग के गुलाब भेजकर रोज डे, हग डे, प्रोमिस डे, प्रपोज डे और वैलेंटाइन डे की शुभकामनाएं देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर रंग का गुलाब अपनी अलग पहचान होती है और यह एक विभिन्न प्रकार की भावना को व्यक्त करता है।

लाल गुलाब:- लाल रंग प्रेम और उत्साह का प्रतीक है। लोग अपने पार्टनर के साथ इसे लाल गुलाब के माध्यम से अपना प्रेम व्यक्त करते हैं। इसी कारण है कि लाल गुलाब न केवल रोज डे बल्कि पूरे वैलेंटाइन वीक में सबसे अधिक मांगा जाने वाला है और इसकी कीमत भी अन्य गुलाबों के मुकाबले काफी बढ़ जाती है।

पिंक गुलाब:- पिंक रंग बहुत सी लड़कियों का पसंदीदा है। पिंक गुलाब सौंदर्य और लज्जा का प्रतीक माना जाता है। हल्का पिंक गुलाब सहानुभूति को दर्शाता है और गहरा पिंक गुलाब कृतज्ञता की भावना को दर्शाता है।

सफेद गुलाब:- सफेद रंग पवित्रता, सरलता और शांति का प्रतीक है। सफेद गुलाब उसके प्रति प्रेम, इज्जत और सम्मान दिखाने के लिए दिया जाता है। कई लोग हर दिन अपने माता-पिता और अन्य परिवार के सदस्यों को भी सफेद गुलाब देते हैं। यदि आप किसी से माफी मांगना चाहते हैं, तो आप सफेद गुलाब की मदद ले सकते हैं।

बैंगनी गुलाब:- हल्का बैंगनी रंग को लैवेंडर रंग कहा जाता है। लैवेंडर गुलाब अपनी दिखाई में जितना सुंदर है, उसका अर्थ भी उतना ही अद्भुत है। लैवेंडर रंग मायावी या मोहित होने का प्रतीक माना जाता है। लैवेंडर गुलाब को अक्सर एकतरफ़ा प्रेम व्यक्त करने के लिए दिया जाता है।

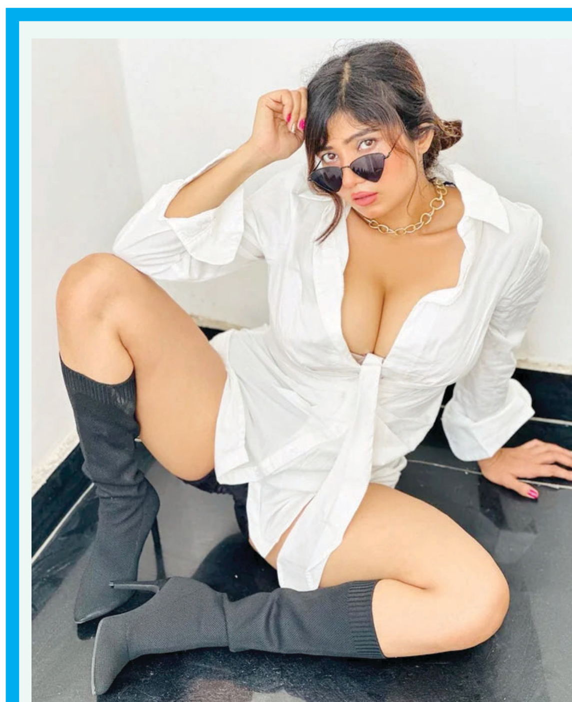

उर्फी को मात देता है नेहा सिंह का फिगर, जालीदार ड्रेस में दिखाई अदाएं

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा सिंह सोशल मीडिया पर हमेशा चर्चा में रहती है। नेहा सिंह की अभी हाल ही में कुछ फोटोज वायरल हो रही हैं। नेहा सिंह इन वायरल हो रही फोटोज में बेहद हौट लग रही हैं। नेहा सिंह की ये बोल्ड फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर धमाल मचा रही हैं। नेहा सिंह के नए लुक को देखने के बाद फैंस उन्हें देखते ही रह गए।

नेहा सिंह की जो नई फोटोज सामने आ रही हैं। उन फोटोज में एक्ट्रेस जालीदार ड्रेस में दिखाई दीं। नेहा सिंह की ये ड्रेस लोगों को काफी पसंद आई। नेहा सिंह अपने बालों को खोले हुए दिखाई दीं। नेहा सिंह का ये हेयरस्टाइल खूब वायरल हो रहा है। नेहा सिंह इस तस्वीर में डीपनेक ड्रेस पहने दिखाई दीं। नेहा सिंह की डीपनेक ड्रेस लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही हैं।

नेहा सिंह इस तस्वीर में अपनी कातिलाना अदाएं दिखाती हुई नजर आ रही हैं। नेहा सिंह की ये अदा फैंस का दिल लूट रही है। नेहा सिंह इस तस्वीर में लो मेकअप किए हुए नजर आ रही हैं। नेहा सिंह का ये मेकअप लुक खूब वायरल हो रहा है। नेहा सिंह तस्वीर में किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। नेहा सिंह पोज ने लोगों का दिल लूट लिया।

नेहा सिंह इस तस्वीर में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दीं। नेहा सिंह का कर्वी फिगर लोगों को दीवाना बना रहा है। नेहा सिंह इस तस्वीर में अपने बोल्ड अंदाज में दिखीं। नेहा सिंह का बोल्ड अंदाज ने लोगों के होश उड़ा दिए। नेहा सिंह इस तस्वीर में बोल्डनेस की सारी हदें पार करती दिखाई दीं। नेहा सिंह की इस बोल्ड तस्वीर को फैंस खूब शेयर कर रहे हैं।

इन्वेस्टमेंट बैंकर बनना चाहती थीं सई मांजरेकर, पढ़ाई छोड़ फिल्म इंडस्ट्री में रखा कदम

सलमान खान स्टारर फिल्म दबंग 3 से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस सई एम मांजरेकर ने अपनी समग्र परवरिश के बारे में खुलासा करते हुए कहाकि वह पहले एक इन्वेस्टमेंट बैंकर बनना चाहती थीं। 2019 में एक्शन-कॉमेडी दबंग 3 से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने के बाद, एक्टर और फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर की बेटी सई ने गनी, मेजर और स्कंदा जैसी फिल्में की हैं। सई ने कहा, मेरी मां (मेधा मांजरेकर) एक नेचुरोपैथी डॉक्टर हैं। पालन-पोषण के मामले में, उन्होंने मुझे बहुत ही सरल और अच्छी परवरिश दी है। मैं इससे बहुत खुश हूं। उनके लिए पढ़ाई ही सब कुछ थी। वह चाहती थी कि मैं अपनी पढ़ाई पूरी कर लूं, जो मैंने अभी तक पूरी नहीं की है। सई ने आगे कहा, मेरे पिता पूरी तरह से आर्टिस्टिक हैं, आप जो चाहते हैं वह करें, जो आपको पसंद है वह करें। और मैं एक समय एक इन्वेस्टमेंट बैंकर बनना चाहती था। इसलिए, मैं हमेशा स्कूल और ट्यूशन में रहती थी। पारिवारिक मूल्य मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। सई वर्तमान में अपनी फिल्म कुछ खट्टा हो जाए की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। इसमें गुरु रंधावा हैं, और फिल्म एक हल्की-फुल्की रोमांटिक-कॉमेडी है।

क्रैक का नया पोस्टर रिलीज, अर्जुन रामपाल और विद्युत जामवाल की दुश्मनी से मचेगी तबाही

आदित्य दत्त निर्देशित क्रैक फरवरी के आखिर में रिलीज हो रही है। कुछ दिन पहले आउट हुए शानदार टीजर के बाद से ही ऑडियंस की निगाहें फिल्म के रिलीज डेट पर है। हीरो की भूमिका के लिए पहचाने जाने वाले अर्जुन रामपाल, बड़े पर्दे पर एक्शन हीरो विद्युत जामवाल के साथ पंगे लेते हुए नजर आएंगे। लेटेस्ट पोस्टर फैंस की धड़कनें बढ़ाने के लिए काफी है।

एक्शन से भरपूर क्रैक साल 2024 की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। एक बार फिर विद्युत जामवाल एक्शन अवतार में दिखाई देंगे। उनके साथ कड़ा मुकाबला करने अर्जुन रामपाल आ रहे हैं। पिछले साल 19 दिसंबर को फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। एक सीन में दोनों के बीच खतरनाक लड़ाई की झलक दिखाई गई थी। विद्युत के साथ अर्जुन का भी फाइट सीन देखने लायक था।

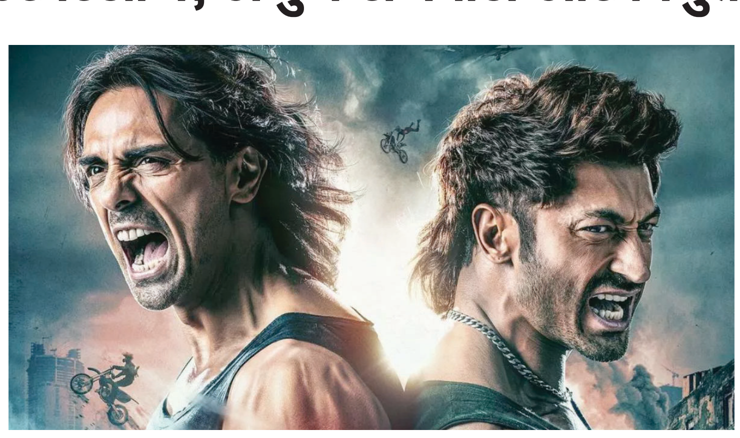

टीजर रिलीज के डेढ़ महीने बाद एक बार फिर मेकर्स ने ऑडियंस को एक नए पोस्टर के साथ इंगेज किया है। विद्युत जामवाल ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर क्रैक का नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में इंटेंस अवतार में विद्युत और अर्जुन चीखते हुए दिखाई दे रहे हैं। दोनों के बाजू पर बम टाइमर लगा हुआ है।

इस पोस्टर को शेयर करते हुए विद्युत ने मजेदार डायलॉग भी बोला है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, डर नहीं डार्लिंग से। क्रैक- जीतेगा तो जीयेगा। इस पोस्टर के साथ विद्युत ने फैंस को फिल्म के ट्रेलर को लेकर बड़ा अपडेट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही फिल्म का ट्रेलर जारी होगा। हालांकि, तारीख और समय की घोषणा नहीं की है।

विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल की क्रैक 23 फरवरी 2024 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

विकसित भारत संकल्प यात्रा दूसरा चरण: केन्द्र व राज्य शासन की योजना से 420 लोग हुए लाभान्वित

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आदेशानुसार, उप मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन एवं विकास मन्त्री अरुण साव के निर्देशानुसार रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के दिशा - निर्देशन में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर आज से राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान का दूसरा चरण प्रारम्भ हो गया। आज केन्द्र सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की लोककल्याणकारी योजनाओं से नागरिकों को जानकारी देकर अधिकाधिक संख्या में लाभान्वित करने नगर निगम जोन क्रमांक 3 के रानी लक्ष्मी बाई वार्ड क्रमांक 10 के तहत आदर्श विद्यालय आदर्श नगर मोवा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दूसरे चरण का दूसरा शिविर दिन की दूसरी पाली में लगाया गया। शिविर की व्यवस्था का अवलोकन वार्ड पार्षद मती विष्वदिनी पाण्डेय ने जोन 3 जोन कमिश्नर विमल शर्मा, कार्यपालन अभियन्ता सुशील मोडेस्टस, राकेश अवधिया एवं अन्य सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में किया। शिविर में राज्य शासन की महतारी वंदन योजना का स्टाल लगाया गया, जिसमें पात्र 55 महिलाओं का पंजीयन किया गया। महतारी वन्दन योजना के सम्बन्ध में जानकारी 113 महिलाओं ने प्राप्त की। स्वास्थ्य शिविर के स्टाल पर 512 नागरिकों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की, 275 नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर में 1035 नागरिकों ने केन्द्र सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इसमें विभिन्न योजनाओं में पात्रता अनुसार 420 नागरिक पंजीकृत किये गये।

राममय हुआ शहर का माहौल, सिर पर कलश लेकर निकली दो हजार महिलाएं

कांकेर। रामकथा के पहले दिन दो हजार महिलाएं सिर पर कलश लेकर ऊपर नीचे रोड शिव मंदिर से निकली तो माहौल राममय हो गया था। कलश यात्रा की शोभा बस्तर का पारंपरिक मांदरी नृत्य, धुमाल पार्टी, रामदरबार की सजीव झांकी के साथ रथ पर सवार कथा वाचक अतुलकृष्ण जी बढ़ा रहे थे। रास्ते में जगह जगह श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा तथा कथा वाचक का स्वागत पुष्पवर्षा से किया। शहर में रामकथा की तैयारियां पिछले एक महीने से चल रही थी। रामकथा आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह था। आयोजन समिती की व्यापक तैयारियों तथा घर घर निमंत्रण पहुंचाने का असर दिखा तथा महिलाएं स्वस्फूर्त कलश यात्रा में शामिल होने पहुंची। सुबह 11 बजे से लाल तथा पीली साड़ी पहनी महिलाओं का हूजूम ऊपर नीचे रोड शिव मंदिर में जमा होने लगा। दोपहर 2 बजे ऊपर नीचे रोड से कलश यात्रा बाजे गाजे के साथ निकली। कलश यात्रा में सबसे आगे बस्तर का पारंपरिक मांदरी नृत्य करते लोक कलाकार चल रहे थे। इनके पीछे शहर के गणमान्य नागरिक चल रहे थे। इसके पीछे धुमाल पार्टी फिर रामदरबार की सजीव झांकी थी। इसके बाद सिर पर कलश लिए युवतियां तथा महिलाएं कतारबद्ध चल रही थी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के अध्ययन दल ने की सौजन्य मुलाकात

विदेशी अधिकारियों को खूब भाया छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज यहां पहुना स्थित उनके निवास कार्यालय में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय से छत्तीसगढ़ प्रवास पर पहुंचे अधिकारियों के अध्ययन दल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ पहुंचे सभी अधिकारियों का राज्य में स्वागत किया। मुख्यमंत्री को अध्ययन दल के अधिकारियों ने बताया कि महाविद्यालय में एक वर्षीय पाठ्यक्रम में शामिल 6 सप्ताह के अंडर स्टैंडिंग इंडिया मॉड्यूल के तहत 120 अधिकारियों का दल 8-8 अलग-अलग राज्यों का दौरा कर रहा है।

इसी क्रम में 16 अधिकारियों का दल छत्तीसगढ़ पहुंचा है, जो प्रदेश में आंतरिक सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं सहित राज्य में हो रहे विकास कार्यों और गतिविधियों का अध्ययन करेगा। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री साय ने अध्ययन दल के अधिकारियों से चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति, सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषताओं सहित जनजातीय बाहुल्य इलाकों के विशेष संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। उन्होंने राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, उद्योग, महिला सशक्तिकरण के साथ ही विकास से जुड़े विषयों पर अध्ययन दल से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ बहुत सुन्दर प्रदेश है। यहां खनिज सम्पदाओं, वन सम्पदाओं के विपुल भण्डार मौजूद है। प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध छत्तीसगढ़ में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। हम छत्तीसगढ़ की विशिष्टताओं को विश्व पटल पर पहचान दिलाने के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रहे है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई और अदंरूनी क्षेत्रों में विकास कार्यो और जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से माओवादी आतंकवाद का दायरा सिमट गया है। हमनें माओवादी आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में तेजी लाई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में जनजाति बाहुल्य इलाकों में विकास को गति देने के लिए आदिवासी विकास प्राधिकरण बनाए गए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में जनजातीय मंत्रालय बनाया गया था, जो आदिवासी बाहुल्य इलाकों के विकास में मील का पत्थर साबित हो रहा है। हमने इसी रास्ते पर आगे बढ़ते हुए इन इलाकों के समावेशी की कार्ययोजना तैयार की है, जिसका जल्द ही क्रियान्वयन भी किया जाएगा। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के विकास के लिए बजट की कोई कमी नहीं है। सड़कों के विस्तार को भी बढ़ावा देना है, जिससे आवागमन सुगम होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में महिला स्व-सहायता समूह बड़ी संख्या में कार्यरत है। पंचायत स्तर पर 10 से 12 महिलाओं का समूह विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से जुड़ा है। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है। श्री साय ने कहा कि हमने निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार की महिलाओं के आर्थिक उन्नयन के लिए राज्य में महतारी वंदन योजना की शुरूआत की दी है। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने दंतेवाड़ा के जावंगा एजुकेशन सिटी और राम कृष्ण मिशन द्वारा आदिवासी युवाओं के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों का विशेष रूप जिक्र किया।

जिस पर अधिकारियों ने बताया कि वे इन इलाकों का भ्रमण करेंगे। मुख्यमंत्री से हुई सार्थक चर्चा पर अधिकारियों ने कहा कि भारत को जानने समझने में छत्तीसगढ़ की उनकी यह यात्रा बड़ी लाभदायक सिद्ध होगी। छत्तीसगढ़ से वे नये अनुभव साथ लेकर जाएंगे, जो उनके कार्य क्षेत्र में भी उपयोगी साबित होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से चर्चा के दौरान अध्ययन दल के प्रभारी मेजर जनरल सामर्थ्य नागर ने बताया कि हमने जैसा सोचा था, छत्तीसगढ़ उससे कही अधिक सुन्दर है। उन्होंने बताया कि अध्ययन दल में शामिल पांच मित्र देशों - अमेरिका, कजाकिस्तान, सऊदी अरब, बांग्लादेश और नेपाल के साथी अधिकारियों को छत्तीसगढ़ का प्राकृतिक सौंदर्य खूब भाया है। उन्होंने बताया कि साथी अधिकारी छत्तीसगढ़ की इस सुन्दर यात्रा को लेकर बहुत उत्सुक और खुश हैं।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से रविदास समाज में जगी नई उम्मीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मन चंगा तो कठौती में गंगा, यह संत शिरोमणि रविदास ने कहा था। यदि ठान लिया जाए तो कुछ भी असंभव नहीं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के आरंभ होने से रविदास समाज के सपनों को पूरा करने की दिशा में आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो गये हैं। व्यवसाय को आगे ले जाने के लिए समाज के लोग इस योजना का लाभ उठा रहे हैं और अपने उद्यम को विस्तार दे रहे हैं।

अभी हाल ही में महासमुंद के झलप में हुए गुरु रविदास महासभा के राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आपका समाज छोटा जरूर है, लेकिन ताकतवर समाज है, अगर मन में ठान लिया जाए तो हर कार्य संभव हो जाता है। उन्हें सुनने के लिए सैकड़ों की संख्या में महासभा के लोग और प्रतिनिधि मौजूद थे। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर लोग गदगद हो रहे थे। महासम्मेलन में पहुंचे झलप निवासी सोनाधार रौतिया ने कहा कि अब हमें उम्मीद ही नहीं विश्वास है, हम अपने समाज को आगे बढ़ाएंगे। पहली बार कोई मुखिया हमारे महासम्मेलन में पहुंचे हैं। इससे हमें गर्व की अनुभूति हो रही है, इससे हम आगे बढ़ने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि वे एक छोटे से जूते-चप्पल की दुकान के माध्यम से अपनी आजीविका चलाते हैं। लेकिन अब प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से एक नई उम्मीद जगी है।

मुझे आसानी से लोन मिलेगा और अपने व्यवसाय को नया रूप दे सकूंगा। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी सुधा एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। प्रयास विद्यालय में पढ़कर उन्होंने सफलता पाई है। सुधा कहती है कि अब मेरे डॉक्टर बनने का सपना भी जल्द ही पूरा होगा। उन्होंने बताया कि इस अंचल में उनके समाज की वे एकमात्र डॉक्टर हैं। जिस दिन डिग्री मिल जायेगी मैं मुख्यमंत्री से मिलने जाऊंगी। इसी तरह समाज के किसान सफेद सिंह मिर्धा ने बताया कि वे खेती किसानी करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास 5 एकड़ जमीन है। यहां पानी की समस्या है, वर्तमान सरकार सिकासेर जलाशय से पानी लाने की व्यवस्था करेगी। हमें विश्वास है कि आने वाले समय में यह काम जरूर पूरा होगा और हम यहां भी खेती को एक उन्नत खेती के रूप में विकसित करेंगे। इसी तरह विशाखाबाई ने कहा कि चिटफंड कंपनी में लगा पैसा मिलने की उम्मीद बन गई है। उन्होंने महतारी वंदन योजना का जिक्र करते हुए कहा कि अब हमें साल में 12 हजार रुपए मिलेंगे। मैं बहुत खुश हूं कि प्रधानमंत्री मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय हम गरीब महिलाओं के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आए हैं। उन्हें गाड़ा-गाड़ा जोहार करते है।

कार्यक्रम में पहुंचे सभी लोगों की आंखों में उम्मीद और नए विश्वास के सपने साफझलक रहे थे।उत्सुकता और उत्साह के साथ वे मुख्यमंत्री को सुन रहे थे। सभा मे पहुंची सुखवंतीन बाई ने कहा कि मुख्यमंत्री सहज, सरल और विनम्र है। वह हम सबके के मुखिया हैं।

बार एण्ड रॉड मिल में हिंदी कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के बार एण्ड रॉड मिल विभाग के सभागार में मुख्य महाप्रबंधक मुकेश कुमार गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को प्रोत्साहन एवं भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित राजभाषा नीतियों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से 05 फरवरी 2024 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में महाप्रबंधक शिखर तिवारी, महाप्रबंधक एस. एन. त्रिपाठी, महाप्रबंधक आशीष ठाकुर, महाप्रबंधक एस. मोहंती, महाप्रबंधक के. के. ठाकुर तथा वरिष्ठ प्रबंधक सुनील सोनी, सुश्री उप प्रबंधक (बीआरएम) ग्लेमिका पटेल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक मुकेश कुमार गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम घर और कार्यक्षेत्र में सारा वार्तालाप अपनी भाषा हिंदी में करते हैं। आवश्यकता केवल कागजात में हिंदी लिखने की है। भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित राजभाषा नीति के अनुसार भी हिंदी में पत्राचार एवं समस्त कार्यालयीन कागजात हिंदी में लिखने व जारी किए जाने के दिशानिर्देश हैं। अतः हमें अपने समस्त कार्य शत-प्रतिशत हिंदी में करना ही है। हिंदी हमारे समग्र निष्पादन में भी सहायक है। वरिष्ठ प्रबंधक एवं विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारी श्री बीरेन्द्र कुमार सिंह ने बार एण्ड रॉड मिल विभाग द्वारा हिंदी के क्षेत्र में की जा रही पहल, विशेष उल्लेखनीय कार्यों एवं संयंत्र स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेताओं की जानकारी दी व विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने राजभाषा के सांविधिक प्रावधानों की जानकारी दी तथा ऑनलाइन गूगल वॉइस टाइपिंग एवं ऑनलाइन नोटशीट प्रणाली 'सैप' में हिंदी में नोटशीट बनाने का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में राजभाषा विभाग द्वारा सामान्य ज्ञान, यातायात, सुरक्षा,का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने किया अम्बेडकर अस्पताल का औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सोमवार को पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अम्बेडकर अस्पताल के मेडिसिन वार्ड तथा गहन चिकित्सा इकाई (इंटेंसिव केयर यूनिट) का निरीक्षण कर उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

श्री जायसवाल ने मेडिसिन वार्ड में भर्ती एवं उपचाररत मरीजों के स्वास्थ्य के संबंध में उनके परिजनों से बातचीत कर उपचार व्यवस्था के संबंध में चर्चा की। स्वास्थ्य मंत्री से चर्चा के दौरान मेडिसिन वार्ड में भर्ती मरीज के परिजनों ने बताया कि उनका उपचार अस्पताल में बेहतर ढंग से हो रहा है। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने अम्बेडकर अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई का निरीक्षण करते हुए वहां भर्ती गंभीर मरीजों के उपचार की जानकारी लेते हुए उन्हें बेहतर से बेहतर उपचार प्रदान करने के लिए यथासंभव हर प्रयत्न करने के निर्देश ड्यूटीरत चिकित्सकों को दिए। क्रिटिकल केयर यूनिट में विगत 28 दिसम्बर से भर्ती एवं गंभीर दुर्घटना के शिकार मरीज के परिजन ने स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी दी कि मरीज जिस स्थिति में यहां आया था उसके बाद अब उसमें काफी सुधार हुआ है जिससे वे अस्पताल की उपचार व्यवस्था को लेकर संतुष्ट हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने डायलिसिस यूनिट का अवलोकन करते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर डायलिसिस मशीनों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

वार्डों के निरीक्षण के उपरांत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों तथा विभागाध्यक्षों की बैठक लेते हुए चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस विभाग का मंत्री बनने के बाद अम्बेडकर अस्पताल का यह दूसरी बार निरीक्षण है। प्रथम बार के औचक निरीक्षण के पश्चात् व्यवस्था में काफी बदलाव हुए हैं जो संतोषप्रद है। प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल की बेहतरी की दिशा में प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने चिकित्सा महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. तृप्ति नागरिया एवं अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. एस. बी. एस. नेताम को निर्देश देते हुए कहा कि गर्मी के आने के पूर्व ही वाटर कूलर, पंखे एवं कूलरों की व्यवस्था वार्डों एवं ओपीडी में पर्याप्त संख्या में होनी चाहिए ताकि मरीजों को परेशानी न हो। उन्होंने चिकित्सालय में संचालित लिफ्ट की व्यवस्था को और भी बेहतर तथा सुगम बनाने के निर्देश दिए।

श्री जायसवाल ने बैठक में कहा कि अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आवश्यक मेडिकल उपकरण, ओटी काम्प्लेक्स के उन्नयन एवं रेडियोलॉजी के जांच की मशीन के संबंध में अस्पताल एवं चिकित्सा महाविद्यालय स्तर पर मांग पत्र पुनः भेजें जाएं ताकि भविष्य में मरीजों को ऑपरेशन, पैथोलॉजी बायोकेमिस्ट्री व माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित सभी जांच एवं रेडियोलॉजी जांच के लिए इंतज़ार न करना पड़े। उन्होंने अस्पताल की सुरक्षा के मद्देनज़र पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री द्वारा अस्पताल के निरीक्षण एवं बैठक के दौरान विभागाध्यक्ष नेत्र रोग विभाग डॉ. निधि पांडे, सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह, अस्थि रोग विभागाध्यक्ष डॉ. विनित जैन, विभागाध्यक्ष एनेस्थीसिया डॉ. प्रतिभा जैन शाह, विभागाध्यक्ष बायोकेमिस्ट्री डॉ. पी. के. खोडियार, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. वी. कापसे, मेडिसिन विभाग के डॉ. योगेन्द्र मल्होत्रा, सर्जरी विभाग के डॉ. संतोष सोनकर समेत प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती रंजना ध्रुव उपस्थित रहीं।

आईपीएस रामगोपाल गर्ग ने लिया आईजी दुर्ग रेंज का चार्ज, बद्री नारायण मीणा ने सौंपा प्रभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग रेंज के नवपदस्थ पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग ने सोमवार शाम को पदभार ग्रहण कर लिया। आईपीएस बद्री नारायण मीणा ने पुष्पगुच्छ सौंपकर उन्हें प्रभार दिया। राम गोपाल गर्ग भारतीय पुलिस सेवा संवर्ग के वर्ष 2007 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हैं।

राम गोपाल गर्ग 07 वर्ष सीबीआई नई दिल्ली सहित छत्तीसगढ़ राज्य में कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं, जिनमें राज्य के सरगुजा रेंज पुलिस महानिरीक्षक और रायगढ़ रेंज एवम राजनांदगांव में डीआईजी के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। साथ ही जिला दुर्ग में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के रूप में भी रह कर शांतिपूर्वक विधानसभा चुनाव संपन्न करा कर सोमवार को पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज का पदभार ग्रहण किया। नव पदस्थ पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग के पदभार ग्रहण बाद कार्यालय के सभी कर्तव्यरत अधिकारी व कर्मचारियों से मीटिंग लेकर परिचय प्राप्त कर उनके कार्यों के बारे में जाना। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर दुर्ग अभिषेक झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मीता पवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती पदमश्री तंवर, प्रशिक्षु आईपीएस अक्षय प्रमोद सबद्र, उप पुलिस अधीक्षक पनीकराम कुजूर, उप पुलिस अधीक्षक शिल्पा साहू, उप पुलिस अधीक्षक यातायात सतीश ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक विंध्यराज, उप पुलिस अधीक्षक राजीव शर्मा, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पाटन देवांश सिंह राठौर, सीएसपी छावनी आशीष बंछोर, स्टेनो श्रीनिवास राव, रक्षित निरीक्षक दुर्ग नीलकंठ वर्मा, थाना प्रभारी भिलाई नगर राज कुमार लहरे, पीआरओ दुर्ग पुलिस आरक्षक प्रशांत शुक्ला सहित अन्य उपस्थित रहे।

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

भिलाई निगम के उप सभापति इंजीनियर सलमान की बढ़ी मुश्किलें फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में दर्ज हुआ केस

भिलाई। नगर निगम भिलाई के उप सभापति व वार्ड 35 शारदापारा के पार्षद इंजीनियर सलमान पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। सलमान पर निगम चुनाव में फर्जी जाति प्रमाण पत्र जमाकर चुनाव लड़ने का आरोप है। इस मामले में भिलाई नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा और वार्ड 35 के छाया पार्षद चंदन यादव ने सुपेला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। सुपेला पुलिस ने इस मामले में इंजीनियर सलमान के खिलाफ धोखाधड़ी, दस्तावेजों का दुरुपयोग और जानबूझ कर दस्तावेजों में कूटरचना यानी धारा 420, 467, 468, 471 के तहत अपराध दर्ज किया है।

शिकायतकर्ताओं ने सुपेला पुलिस को दिए गए अपने आवेदन में बताया कि 2021 में नगर निगम भिलाई के चुनाव हुए। भिलाई नगर निगम में कुल 70 वार्ड हैं। इन सभी वार्डों में पार्षद पद के चुनाव लड़ने के लिए निर्वाचन आयोग ने आरक्षण रोस्टर जारी किया था। इसके तहत शारदापारा वार्ड 35 को ओबीसी कैटेगरी में रखा गया था। इंजीनियर सलमान के पास ओबीसी जाति प्रमाण पत्र नहीं था। इसके बाद भी उसने फर्जी व कूटरचित दस्तावेज पेश करके पार्षद चुनाव लड़ा था। इन्हीं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उन्होंने OBC कैटेगरी से चुनाव जीता है।

भोजराज सिन्हा ने अपनी शिकायत में बताया कि इंजीनियर सलमान ने दूसरे की जाति प्रमाण पत्र पर अपना नाम अंकित करवाकर उसे निर्वाचन आयोग के सामने पेश किया और चुनाव जीतकर भिलाई निगम के उपसभापति बने हुए हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचन के दौरान इंजीनियर सलमान ने जो ओबीसी सर्टिफिकेट जमा किया है उसका क्रमांक 363/ब-221/2015-16 है। 15 जून 2016 में बने इस सर्टीफिकेट की सत्यापित कापी सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई तो इसमें नोमिता देशमुख नाम लिखा हुआ था। इस तरह यह साफ हो जाता है कि इंजीनियर सलमान ने जो जाति प्रमाण पत्र जिला निर्वाचन आयोग में दिया वो फर्जी जाति प्रमाण पत्र है। इसी मामले में सुपेला पुलिस ने शिकायत के आधार पर धारा 420 सहित अन्य धाराओं के तहत इंजीनियर सलमान उर्फ मो सलमान के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

सौतेली मां व भाइयों ने मिलकर युवक की कर दी हत्या, एक दिन पहले मिली थी अधजली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले के सिरिगट्टी थाना क्षेत्र में सोमवार को मिली अधजली लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस ने इस मामले में महिला व उसके तीन बेटों को गिरफ्तार किया है। वहीं मृतक कोई और नहीं बल्कि महिला का सौतेला बेटा था। घर पर हुए विवाद के बाद मां ने अपने दोनों बेटों के साथ पहले अपने सौतेले बेटे की हत्या की और उसके बाद जंगल में लेजाकर शव पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दिया था। पुलिस ने अधजली लाश बरामद की थी ओर जेब से मिले एक पर्चे के जरिए आरोपियों तक पहुंची।

बता दें सिरगिट्टी पुलिस को फदहाखार जंगल में 4 फरवरी को एक अधजली लाश मिली थी। मृतक के सिर पर गहरे चोट के निशान मिले थे। इसके अलावा उसे जूट के बोरे से ढंक जलाने की कोशिश की गई थी। पुलिस को जांच के दौरान मृतक की पेंट के जेब से एक पर्ची मिली थी। पर्ची पर मोबाइल नंबर लिखा हुआ था। पूछताछ में पता चला कि मृतक का नाम रवि साहू निवासी बिर्रा रोड चांपा है। इसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की।

विवाद के बाद सिर पर रॉड मार की थी हत्या

जांच के दौरान पुलिस को पुलिस ने मृतक की सौतेली मां हेमलता साहू व उसके दोनों नाबालिग भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सारी सच्चाई सामने आई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक रवि के सौतेले नाबालिग भाई 31 जनवरी की दोपहर लगभग तीन बजे रवि साहू से वाद-विवाद होने पर लोहे के पाइप से सिर पर हमला कर दिया और उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी दोनों नाबालिक भाईयों के द्वारा साक्ष्य छुपाने की कोशिश की। किराये की कार सीजी 11 बीजे 7961 मे कोसमण्दा थाना चाम्पा जिला जांजगीर चाम्पा के रहने वाले ड्राइवर सुनील यादव की सहायता से शव को लोड कर घटना की रात फदहाखार के जंगल में शव को रखकर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। अपराध और साक्ष्य पाने के बाद आरोपी हेमलता साहू, सुनिल यादव और मृतक के दो नाबालिग भाई को पुलिस ने पांच फरवरी को गिरफ्तार कर न्यायालय न्यायिक रिमांड में भेज दिया।

जांच के दौरान पता चला कि रवि साहू पिता स्व.मोहनलाल साहू उम्र 26 वर्ष निवासी बिर्रा रोड चाम्पा थाना चाम्पा जिला जांजगीर चाम्पा का उसके सौतली मां हेमलता साहू व उसके दोनों नाबालिग भाईयों से अक्सर वाद-विवाद होता था। इसी बीच 31 जनवरी 2024 की सुबह लगभग आठ बजे मृतक आवेश में अपने घर में आग लगा दी थी। जिससे घर का काफी सामान जल गया। इस बात को लेकर दोपहर लगभग 2.30 बजे फिर परिवार में वाद-विवाद हुआ। इसके बाद रवि साहू का कुछ पता नहीं चला।

बालोद में वाहन बना काल

दो बाइक सवार हाईवा की चपेट में आए, मौके पर तोड़ा दम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले के बालोद धमतरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम करकाभाट के समीप हाईवा वाहन ने एक बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दोनों मृतक बालोद थाना क्षेत्र के ग्राम जमरुवा और नर्रा के बताए जा रहे हैं। जिनका नाम भूपेंद्र साहू और भुवनेश्वर है।

जानकारी के लिए बता दें कि हाईवा बालोद से धमतरी की ओर जा रही थी। तभी रास्ते में ही मोटरसाइकिल क्रमांक CG 07- LJ- 1030 धमतरी से बालोद की तरफ आ रही थी। दोनों की भयंकर टक्कर हुई। घटना के बाद बालोद पुलिस ने हाईवा को अपने कब्जे में ले लिया है। फिलहाल, पुलिस आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घटना देर रात हुई। आज सुबह पुलिस और प्रशासन ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। दोनों परिवार सदमे में हैं। घटना के समय आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला और शव को बरामद कर रास्ता खाली कराया।

रायपुर में ससुर ने दामाद का फोड़ा सिर

रायपुर। रायपुर में एक ससुर ने अपने दामाद को डंडे से मारकर उसका सिर फोड़ दिया। जिससे दामाद लहूलुहान हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पति-पत्नी का झगड़ा छुड़ाने के दौरान हमला कर दिया। घटना धरसींवा थाना क्षेत्र की है। दरअसल, पीड़ित मुकेश वर्मा मोहदी गांव में रहता है। कंपनी में सुपरवाइजर का काम करता है। उसकी शादी पिंकी यादव से एक साल पहले हुई थी। दोनों ने लव मैरिज की थी। वह अपने पिता के साथ रहता है। घरेलू बात पर पति-पत्नी के बीच में विवाद हो रहा था। तभी मुकेश के ससुर पुनित राम यादव घर पर आ गए। उन्होंने अपनी बेटी का पक्ष लेते हुए कहा कि तुम मेरी बेटी से बहला फुसला कर शादी किए हो। फिर वे मुकेश से गाली-गलौज कर मारपीट करने लगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2024/1354/433 भिलाई, दिनांक 02/02/2024

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	"चौहान हाउसिंग"(चौहान ग्रीन वैली) आपेजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई प्रोपराईटर- श्री अजय चौहान आ. स्व. श्री विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	1. डॉ. विनय फिलिप्स, आ. श्री विनोद फिलिप्स, 2. श्रीमती आकांक्षा फिलिप्स, ध.प. डॉ. विनय फिलिप्स, निवासी-फ्लैट नं. 21, ब्लाक-"D4", तृतीय तल, "चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिकीनामा	वार्ड 01,"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 21, ब्लाक-"D4", तृतीय तल, क्षेत्रफल-663.27 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।
2	चौहान हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड के तरफ से श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत उर्फ दीपेश्वर चौहान, निवासी-राजीव नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती मनीषा सिंह, ध.प. श्री प्रमोद कुमार, निवासी-c/o श्री धर्मेन्द्र सिंह मकान नं. -165, ग्लो ब्यूटी पार्लर, लोक भारती स्कुल के पास, रामनगर, सुपेला भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, 'चौहान्स पार्क व्यू' (वार्ड क्र.-01, जुनवानी चौक से चिखली नाला धमधा रोड मुख्य मार्ग पर), भिलाई, फ्लैट नं.41, पंचम तल, क्षेत्रफल-1099.97 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।
3	"चौहान हाउसिंग"(चौहान ग्रीन वैली) आपेजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई प्रोपराईटर- श्री अजय चौहान आ. स्व. श्री विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	1. श्री मोहम्मद नियाजुदीन आ0 मोहम्मद शमसुदीन, 2. मोहम्मद बदरूद्दीन आ. मोहम्मद शमसुदीन, निवासी-फ्लैट नं. 17 ब्लाक-"B16",पंचम तल, "चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिकीनामा	वार्ड 01,"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 17, ब्लाक-"B16", पंचम तल, क्षेत्रफल-840.00 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।
4	"चौहान हाउसिंग"(चौहान ग्रीन वैली) आपेजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई प्रोपराईटर- श्री अजय चौहान आ. स्व. श्री विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री अशोक कुमार ध्रुव आ0 श्री भुलाऊ राम ध्रुव निवासी-फ्लैट नं. 07 ब्लाक-"B15", द्वितीय तल, "चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिकीनामा	वार्ड 01,"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 07,, ब्लाक-"B15", द्वितीय तल, क्षेत्रफल-840.00 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।
5	स्व0 श्रीमती उमा देवी वर्मा पति दुर्गा प्रसाद वर्मा निवासी:-कोहका भिलाई भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.) से भारत भूषण पिता स्व0 दुर्गा प्रसाद वर्मा, श्री चन्द्रशेखर पिता स्व0 दुर्गा प्रसाद, श्रीमती निर्मला पति स्व0 संजय वर्मा, आयुष पिता स्व0 संजय वर्मा एवं प्राची पिता स्व0 संजय वर्मा निवासी म.न.250 वार्ड नं. 9 राम नगर भिलाई	श्रीमती निर्मला पति स्व0 संजय वर्मा, आयुष पिता स्व0 संजय वर्मा एवं प्राची पिता स्व0 संजय वर्मा निवासी म.न.250 वार्ड नं. 9 राम नगर भिलाई	वारिसान / बटवारानामा	कोहका,कोहका पुरानी बस्ती, वार्ड नं. 09 (कोहका पुरानी बस्ती अंदर भाग) भिलाई खसरा नं. 7844/3, रकबा 3267 वर्ग फीट मे से 1478 वर्ग फीट बटवारे में प्राप्त किया, आवासीय भवन निर्मित ।
6	श्री मिथलेश कुमार चौबे आ0 श्री उमापति चौबे निवासी :- चंद्र नगर , दुल्हन फैन्सी स्टोर के पास, वार्ड नं. 08 कोहका सुपेला भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री भगवंत दास, आ0 श्री जी.डी.रात्रे , निवासी:- क्वा नं. 14/सी, स्ट्रीट-08, सेक्टर-04, वार्ड नं. 42, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिकीनामा	फरीद नगर कोहका वार्ड,वार्ड नं. 07 (चंद्र नगर अंदर भाग) भिलाई खसरा नं. 2771, रकबा 1850 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित ।
7	1. श्री सपन कुमार नायक पिता स्व. सदेश चंद्र नायक ,2. श्रीमती कोमल नायक पति श्री सपन कुमार नायक , निवासी:- प्लाट नं. 303, सड़क2 बी, स्मृति नगर जुनवानी भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री हर्ष राव पिता श्री पी पापा राव निवासी:- क्वाटर नं. 4ए, सड़क 3, सेक्टर 1, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिकीनामा	चौहान हाउसिंग , चौहानग्रीन वैली, खम्हरिया जुनवानी भिलाई (वार्ड नं. 1 जुनवानी) फ्लैट नं. 29, ब्लाक-"D11", चतुर्थ तल, क्षेत्रफल-663.67 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।
8	"चौहान हाउसिंग"(चौहान ग्रीन वैली) आपेजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई प्रोपराईटर- श्री अजय चौहान आ. स्व. श्री विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	1. डॉ. संजय फिलिप्स, आ. श्री विनोद फिलिप्स, 2. श्रीमती आकांक्षा फिलिप्स, ध.प. डॉ. संजय फिलिप्स, निवासी-फ्लैट नं. 20, ब्लाक-"D4", तृतीय तल, "चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिकीनामा	वार्ड 01,"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 20, ब्लाक-"D4", तृतीय तल, क्षेत्रफल-663.27वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम
भिलाई

एक लाख का इनामी सीएनएम अध्यक्ष और दो मिलिशिया सदस्य गिरफ्तार, पुलिस पर फायरिंग करने के मामले में थी तलाश

बीजापुर। बीजापुर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से सुरक्षाबल की संयुक्त पार्टी ने एक लाख के इनामी आरपीसी सीएनएम अध्यक्ष सहित दो मिलिशिया सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की हैं। पकड़े गए नक्सलियों को गंगालूर व फरसेगढ़ थाना में वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय बीजापुर में पेश किया गया हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नक्सल विरोधी अभियान पर गंगालूर थाना क्षेत्र में निकली डीआरजी व सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी द्वारा मेटापाल से पुसनार आरपीसी सीएनएम अध्यक्ष लच्छू हेमला (उम्र 30) पिता फागु हेमला निवासी पटेलपारा मेटापाल को पकड़ा गया। लच्छू 10 अगस्त 2023 को मेटापाल के जंगल में पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने की घटना में शामिल था। जिस पर शासन की इनाम व समर्पण नीति के तहत एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। वहीं फरसेगढ़ थाना क्षेत्र में छत्तीसगढ़ बल व जिला बल की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर एड्सगुण्डी व आलवाड़ा की तरफ निकली हुई थी। इस दौरान आलवाड़ा से दो नक्सल मिलिशिया सदस्य को पकड़ा गया।

जिनके नाम चमरू उर्फ सोमारू उरसा (उम्र 30) पिता हिरिया निवासी आलवाड़ा व सन्नू कुहरामी उर्फ सन्नू माड़वी (उम्र 33) पिता मासा उर्फ डूबल कुहरामी निवासी आलवाड़ा थाना फरसेगढ़ शामिल हैं। पकड़े गए नक्सली 10 दिसम्बर 2017 को फरसेगढ़ क्षेत्र के आलवाड़ा के जंगल में पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर हमला करने व 29 जुलाई 2020 को गुमनेर की पहाड़ी में पुलिस पार्टी पर आईईडी ब्लास्ट कर फायरिंग करने की घटना में शामिल थे। पकड़े गए नक्सलियों के विरुद्ध फरसेगढ़ थाना में 2-2 स्थायी वारंट लंबित हैं। बीजापुर एसपी ने उक्त नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए 10-10 हजार रुपये का इनाम रखा था। पकड़े गए नक्सलियों को न्यायालय बीजापुर में पेश किया गया हैं।

चालकों को डरा कर वाहन से डीजल लूटने वाले पांच गिरफ्तार

कोरबा। राष्ट्रीय राजमार्ग में खड़े भारी वाहनों के चालक व परिचालक को डरा धमका कर टंकी का ताला तोड़ डीजल चोरी करने वाले गिरोह के पांच सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास स्कार्पियों, पाना, राड नुकीलानुमा पाईप तथा घटना में उपयोग एक डुप्लीकेट पिस्टलनुमा बंदूक समेत लगभग 550 लीटर डीजल जब्त किया गया। मामले में चार आरोपी अभी फरार हैं। 24 जनवरी को ट्रेलर क्र. सीजी 04 जेबी 9361 में चावल लोड कर चालक धनीराम पटेल तथा हेल्फर सिवा कटघोरा से रात 11 बजे रायपुर के लिए रवाना हुए थे। इस दौरान रात 2.30 बजे ट्रेलर का रस्सी खुल जाने से राष्ट्रीय राजमार्ग में गोपालपुर घाट ओव्हर ब्रिज के पास वाहन खड़ा कर दिए और चालक व परिचालक दोनों रस्सी बांधने लगे। उसी समय पीछे से एक बिना नंबर सफेद स्कार्पियों वाहन में बैठकर तीन-चार अज्ञात व्यक्ति आए और चालक व हेल्फर को डरा धमका कर ट्रेलर की डीजल टंकी की लाक को तोडकर जबरदस्ती 250 लीटर डीजल को लूट कर स्कार्पियों वाहन में पाली की ओर भाग गए। चालक द्वारा घटना की जानकारी मालिक श्रीकांत अग्रवाल 34 साल निवासी राईसमिल कारखाना एरिया कटघोरा को दी। इस पर श्रीकांत अग्रवाल ने एक लिखित शिकायत कटघोरा थाना दिया था।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

मोदी की गारंटी
विष्णु का सुशासन

हमने बनाया है
हम ही संवारेंगे

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

महतारी वंदन योजना

पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिवर्ष
₹ 12,000

देखिए आवेदन फार्म कैसे भरे ?

- महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश में महतारी वंदन योजना क्रियान्वित है
- यह योजना 01 मार्च 2024 से लागू की जा रही है
- योजना का क्रियान्वयन संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा

योजनांनर्गत पात्रता

- विवाहित महिला जो छत्तीसगढ़ राज्य की स्थानीय निवासी हो
- आवेदन के कलेण्डर वर्ष अर्थात् जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा है, उस वर्ष की 1 जनवरी को विवाहित महिला की आयु न्यूनतम 21 वर्ष होनी चाहिए
- विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता महिलाएं भी योजना के लिए पात्र होंगी

आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेज

- स्व सत्यापित स्वयं की पासपोर्ट साईज फोटो
- स्थानीय निवासी के संबंध में दस्तावेज। (निवास प्रमाण-पत्र/ राशन कार्ड/ मतदाता पहचान-पत्र/ आधार कार्ड)
- स्वयं का एवं पति का आधार कार्ड
- स्वयं का एवं पति का पैन कार्ड। (यदि हो तो)
- महिला के विवाहित होने की पुष्टि के लिए आवश्यक दस्तावेज-विवाह प्रमाण पत्र/ राशन कार्ड/ आधार कार्ड/ मतदाता परिचय पत्र/ निवास प्रमाण पत्र/ ग्राम पंचायत या वार्ड पार्षद द्वारा जारी प्रमाण पत्र। यदि उपरोक्त में से कोई भी दस्तावेज उपलब्ध न हो तो विवाहित महिला द्वारा स्वघोषणा शपथ-पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है
- विधवा होने की स्थिति में पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र
- परित्यक्ता/ तलाकशुदा होने की स्थिति में समाज द्वारा / वार्ड/ ग्राम पंचायत/ न्यायालय द्वारा जारी प्रमाण-पत्र
- जन्म प्रमाण पत्र/ कक्षा 10वीं या 12वीं की अंकसूची/ स्थानांतरण प्रमाण-पत्र/ पैन कार्ड/ आधार कार्ड/ मतदाता परिचय-पत्र/ ड्राइविंग लाइसेंस। (कोई एक)
- पात्र हितग्राही का बैंक खाते का विवरण एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति
- स्व-घोषणा शपथ पत्र (आवेदन के साथ संलग्न)
- यदि महिला हितग्रही के पास मोबाईल नंबर न हो तो राशन कार्ड जमा किया जावे

हितग्राही को दी जाने वाली सहायता

- पात्र महिला को रुपये 1000/- प्रतिमाह डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाएगा
- सामाजिक सहायता कार्यक्रम/विभिन्न पेंशन योजनाओं से पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं को रू. 1000/- से कम पेंशन राशि प्राप्त होने से शेष अंतर की राशि का भुगतान किया जाएगा

आवेदन करने का माध्यम

योजना के ऑनलाईन पोर्टल
(https://www.mahtarivandan.cgstate.gov.in)
तथा मोबाईल एप द्वारा आवेदन निम्नानुसार माध्यमों से भरे जा सकेंगे-

- आंगनबाड़ी केन्द्र की लॉगिन आईडी से
- ग्राम पंचायत सचिव (ग्राम प्रभारी) की लॉगिन आईडी से
- बाल विकास परियोजना कार्यालय की लॉगिन आईडी से
- आवेदक स्वयं पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे
- नगरीय क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी के लॉगिन आईडी से

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-39557/143

सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950